कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | रविवार 02 मार्च 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1298 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

ममता बनर्जी के चुनावी हेरफेर वाले दावे पर पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी की प्रतिक्रिया

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (कोलकाता): पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चुनावी हेरफेर के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि मतदाता सूची अपडेट प्रोसेस स्थापित कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करती है. यह टिप्पणी ममता बनर्जी द्वारा भाजपा पर राज्य में चुनावों को प्रभावित करने के लिए फर्जी मतदाताओं को जोड़ने का आरोप लगाने के बाद आई है. पश्चिम बंगाल के सीईओ ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया, जिसमें मतदाता सूची अपडेट की प्रक्रिया को बताया गया है.

पोस्ट में लिखा है, "आरपी एक्ट 1950, मतदाता पंजीकरण नियम 1960 और मतदाता सूची पर नियमावली के अनुसार, किसी भी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में संबंधित बीएलओ, एईआरओ, ईआरओ, डीईओ और सीईओ मतदाता सूची के अपडेशन के लिए काम करते हैं. यह राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तर के एजेंटों की सक्रिय भागीदारी के साथ किया जाता है. कोई भी विशिष्ट दावा या आपत्ति पहले पश्चिम बंगाल में संबंधित 80,633 बीएलओ, 3,049 ईआरओ और 294 ईआरओ के समक्ष की जानी चाहिए.

चुनाव आयोग की ओर से यह प्रतिक्रिया ममता बनर्जी द्वारा पूरे पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति की घोषणा के मद्देनजर आई है.

चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा, "मतदाता सूची बनाने के हर चरण में राजनीतिक दल शामिल होते हैं. अगर किसी कदम पर किसी राजनीतिक दल को कोई आपत्ति

होती है, तो उसकी तुरंत सुनवाई की जाती है. नाम जोड़ने या हटाने पर हर आपत्ति की जांच मतदाता सूची अधिकारी द्वारा की जाती है. कांग्रेस ने राज्य में चुनाव के बाद महाराष्ट्र में 48 लाख मतदाताओं को जोड़ने पर सवाल उठाए, लेकिन केवल एक शिकायत ही सीईओ के कार्यालय तक पहुंची.

गुरुवार को, ममता बनर्जी ने भाजपा पर महाराष्ट्र और दिल्ली में कथित चुनावी कदाचार की तुलना करते हुए मतदाता सूचियों में हेरफेर करने का आरोप लगाया. उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने अन्य राज्यों में भी इसी तरह की रणनीति अपनाई है और अब पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही करने का प्रयास कर रही है.

ममता बनर्जी ने कहा, "चुनाव आयुक्त के कार्यालय में बैठकर, उन्होंने ऑनलाइन फर्जी मतदाता सूची बनाई है और पश्चिम बंगाल के हर जिले में फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं. इस तरकीब का इस्तेमाल करके उन्होंने दिल्ली और महाराष्ट्र में चुनाव जीता है. महाराष्ट्र में विपक्ष इन तथ्यों का पता नहीं लगा सका. ज्यादातर फर्जी मतदाता हरियाणा और गुजरात से हैं. बीजेपी चुनाव आयोग के आशीर्वाद से मतदाता सूची में हेरफेर कर रही है, बंगाल की संस्कृति ने आजादी को जन्म दिया.

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के लोगों से मतदाता सूची में अपना नाम सत्यापित करने का आग्रह करते हुए चेतावनी दी कि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के बहाने वैध मतदाताओं को हटाया जा सकता है. उन्होंने कहा, "एनआरसी और सीएए के नाम पर वास्तविक नाम किसी भी दिन हटाए जा सकते हैं. इसके दो मुख्य उद्देश्य हैं. एक है टीएमसी को हराना और सूची में से इनके जरिए व्यक्तियों के नाम हटाना. यह चुनाव आयोग के आशीर्वाद से किया जा रहा है. डेटा ऑपरेटरों पर नजर रखें. अगर कोई जमीनी स्तर पर है, तो वह टीएमसी है. 2026 के विधानसभा चुनावों में, हमें गेंद को और जोर से मारना होगा, और इसकी शुरुआत मतदाता सूची से होगी. यह बूथ स्तर पर किया जाना है. जिला अध्यक्ष को यह करना होगा."

पेट्रोल-डीजल की तरह बालू की कीमत भी निर्धारित हो

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (पुरुलिया): बालू की कीमत आसमान छू रही है। आम लोगो के बालू खरीदते समय माथे पर बल पड़ रहे हैं। इसलिए सरकार को पेट्रोल-डीजल की तरह बालू की कीमत भी निर्धारित करनी चाहिए। कांग्रेस ने सरकार से बालू की कीमत तय करने की मांग करते हुए एक घंटे के लिए सड़कें जाम की।

जानकारी के अनुसार पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालू की कालाबाजारी को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को रघुनाथपुर शहर, नितुरिया, पुरुलिया, झालदा समेत जिले के विभिन्न हिस्सों में सड़क जाम की गई। रघुनाथपुर शहर कांग्रेस नेतृत्व ने खुदीराम चौक के सामने पुरुलिया-बराकर राजमार्ग को जाम कर दिया। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बल वहां मौजूद थी।

रघुनाथपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष तारक परमाणिक ने कहा कि राज्य सरकार की देखरेख में तथा तृणमूल कांग्रेस के सहयोग से बालू की कालाबाजारी शुरू हो गई है, जिसके कारण आम लोगों को बालू, बालू तस्करों की मनचाही कीमत लेनी पड़ी रही है। परिणामस्वरूप, आम लोगों को विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए हमारी मांग है कि सरकार जल्द से जल्द बालू का मूल्य निर्धारित करे। दूसरी ओर, रघुनाथपुर शहर, नितुरिया, पुरुलिया, झालदा समेत जिले के विभिन्न हिस्सों में आज यह सड़क जाम कर दी गई.

मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ने वैज्ञानिक आधार पर प्रशिक्षण और प्रमाणन की मांग की

शुवेन्दु लायेक

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (बाँकुड़ा): प्रोग्रेसिव मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन ने सरकारी क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रशिक्षण, प्रमाणन और रोजगार की मांग की है। यह मांग आज एसोसिएशन के 5वें जिला सम्मेलन में की गई। बांकुड़ा शहर के एक मीटिंग हॉल में आयोजित सम्मेलन में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से लगभग दो सौ सदस्य उपस्थित थे। आज के सम्मेलन में एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष डॉ प्रांतोश माइती, सचिव डॉ रबीउल आलम, राज्य नेता डॉ तिमिर कांति दास, जिला डिप्टी सीएमओ और एच डॉ सजल विश्वास और अन्य शामिल हुए।

एसोसिएशन के बांकुड़ा जिला सचिव डॉ. मुस्तकीन अली ने कहा कि हालांकि मेडिकल प्रैक्टिशनरों को स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में प्रशिक्षित करने और सरकारी स्तर पर उचित वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करने की मांग की गई है, लेकिन इसे अभी तक लागू नहीं किया गया है। प्रमाणपत्र नहीं मिले हैं। नतीजतन, राज्य भर के हजारों मेडिकल प्रैक्टिशनर वंचित हैं। आज के जिला सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी, और आने वाले दिनों में बड़े कार्यक्रम किए जाएंगे।

दिन-दहाड़े नियामतपुर में गल्ला दुकान से 50 हजार रुपये की लूट

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (नियामतपुर): शहर के जीटी रोड पर सुनील गोयनका के गल्ला दुकान से दिनदहाड़े 50 हजार रुपये की लूट की गई। गल्ला दुकान मालिक कुछ दिन से बंगलोर गये हुये है। इस दुकान के कर्मचारी राजेश केशरी ने बताया कि शनिवार की दोपहर दो लोग दुकान में आकर चावल खरीदने की बात कर चले गये। उन लोगों ने कहा कि 3 बजे आकर चावल ले जाएंगे। बाद में लगभग 3 बजे तीन युवक दुकान के अंदर घुसे। जिसमे एक नकाबपोश था। दुकान के अंदर से उन लोगों ने दरवाजा बंद कर लिया और कैश बॉक्स से लगभग 50 हजार रुपये लूट लिया। उन्होंने बताया कि पैसे लेने के बाद उन लोगों ने मुझे मारा पीटा और बंद करके चले गये। लुटेरों के चले जाने के बाद आस पास के दुकानदारों को इस घटना की जानकारी हुयी। इस घटना की जानकारी मिलते ही नियामतपुर पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने पूछताछ के लिये दुकान के कर्मचारी को फाड़ी ले गये। वहीं मर्चेंट चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सचिव सचिन बालोदिया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रभारी से मिलकर घटना में शामिल लोगो को गिरफ्तार करने की मांग की। नियामतपुर फाड़ी पुलिस प्रभारी अखिल मुखर्जी ने व्यवसायियों को आश्वासन दिया कि इस घटना की जांच की जा रही है। इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी शीघ्र की जायेगी।

मेचेदा में पदयात्रा व पथसभा

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (खड़गपुर): पूर्व मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मेचेदा में राज्य सनातन ब्राह्मण ट्रस्ट द्वारा आयोजित भाजपा के धार्मिक विभाजन के खिलाफ पदयात्रा और पथसभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजीव बनर्जी और पूर्व मेदिनीपुर जिले के बड़ी संख्या में प्रमुख नेता उपस्थित थे।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि विभाजन की राजनीति करके भाजपा ने देश का कबाड़ा कर दिया है।

अब इसके नेता पश्चिम बंगाल में भी अपनी कुदृष्टि जमाए हुए हैं। समाज को विभाजित करने की कोशिश हो रही है। लगातार प्रोपेगेंडा किया जा रहा है लेकिन राज्य की जनता भाजपा के इस चाल को कभी सफल नहीं होने देगी।

विभाजनकारी ताकतों को जनता हर चुनाव में पराजित करेगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए एक और तोहफा, रानीगंज स्टेशन पर नई लिफ्ट लगाई गईं

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (आसनसोल): यात्री सुविधा और पहुंच को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने रानीगंज स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 01 और 02 पर 13 व्यक्तियों की क्षमता वाली एक नई लिफ्ट लगाई है। यह अतिरिक्त लिफ्ट हाल ही में प्लेटफॉर्म नंबर 04 पर समान क्षमता वाली एक लिफ्ट की इंस्टालेशन के बाद लगाई गई है, जिससे स्टेशन परिसर के भीतर गतिशीलता में और सुधार होगा।

निर्बाध और परेशानी मुक्त पहुंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई ये लिफ्टें दिव्यांग व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों और भारी सामान वाले यात्रियों की आवाजाही को काफी आसान बना देंगी। दोनों लिफ्टों में एक स्वचालित बचाव उपकरण (एआरडी) भी लगा हुआ है, जो बिजली की विफलता की स्थिति में लिफ्ट को स्वचालित रूप से निकटतम मंजिल पर ले जाकर यात्रियों की संरक्षा सुनिश्चित करता है।

यह पहल स्टेशन के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए पूर्व रेलवे के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। सुगमता को प्राथमिकता देते हुए आसनसोल मंडल का लक्ष्य अधिक समावेशी और यात्री-अनुकूल यात्रा वातावरण बनाना है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक यात्री आसानी और सम्मान के साथ स्टेशन पर घूम सके।

यात्रियों का इन नई सुविधाओं पर स्वागत किया जा रहा है जो उनके यात्रा अनुभव को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने जा रही हैं। दोनों लिफ्ट अब पूरी तरह से चालू हैं और रानीगंज स्टेशन पर यात्रियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

आसनसोल से दुर्गापुर तक हो रही खुलेआम जीएसटी की चोरी, पूरा सिस्टम खामोश

* आसनसोल से लेकर दुर्गापुर तक राष्ट्रीय राज्य मार्ग पर डंके की चोट पर चल जीएसटी चोरी, चेम्बर ने जताई गंभीर चिंता
* मधुमखीयों की तरह सड़कों पर घूम रहे बिना जीएसटी के वाहन पास करवाने वाले दर्जनों दलाल
* किसी वाहन से 200 तो किसी से 180 रुपए प्रति टन वसूली, लगा रहे सरकारी राजस्व को चुना

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (आसनसोल): आसनसोल से लेकर दुर्गापुर तक की सड़कों पर इन दिनों चार पहिया और दोपहिया वाहन से दर्जनों दलालों को घूमते हुए देखा जा रहा है, जो दलाल आसनसोल से लेकर दुर्गापुर तक के छोटे से लेकर बड़े कल कारखानों पर नजर रखते हैं और उन कारखानों से माल लेकर निकलने वाली मालवाहक वाहनों से बिना जीएसटी के उनकी वाहनों को पास करवाने की बात कहकर प्रति टन 200 से लेकर 180 रुपए तक पैसे वसूल रहे हैं और प्रति दिन करोड़ों रुपए के सरकारी राजस्व का चुना भी लगा रहे हैं,

गुरविंदर सिंह

मालवाहक वाहन चालकों के अनुसार ऐसे वाहनों से बिना जीएसटी के पास करवाने के नाम पर अवैध रूप से पैसा वसूलने मे मनोज, उमेश, मिश्रा और कपिल नामक व्यक्ति अपनी अहम् भूमिका निभा रहे हैं, जिनको ना तो कोई रोकने वाला है और ना ही टोकने वाला. ऐसे मे यह सवाल उठ रहा है की आखिरकार यह चारों व्यक्तियों के सर पर किसका हाँथ है, इनके पीछे आखिरकार कौन ऐसा सक्स खड़ा है, जिसके बलबूते यह सीधे तौर पर राज्य ही नही बल्कि केंद्र सरकार तक को खुली चुनौती दे रहे हैं. साथ ही सरकार द्वारा मालवाहक वाहनों से जीएसटी वसूलने के लिये तैनात किए गए जीएसटी अधिकारीयों के आँखों मे धूल झोंक रहे हैं और खुदको ही जीएसटी का स्टाफ बताकर मालवाहक वाहनों से बिना जीएसटी के वाहन पास करवाने का काम कर रहे हैं और चंद पैसों के लिये सरकार को करोड़ों के राजस्व का चुना लगा रहे हैं,

आखिरकार आसनसोल और दुर्गापुर मे हो रही खुलेआम जीएसटी चोरी के मामले को लेकर क्यों पूरी सिस्टम खामोश है, मालवाहक वाहन चालकों की अगर माने तो जीएसटी चोरी के इस खेल मे राज्य ही नही बल्कि केंद्रीय जीएसटी भी शामिल है, यही कारण है की इन तीन की तिगड़ियों का आसनसोल से लेकर दुर्गापुर तक के सड़कों पर खूब सिक्का चल रहा है.

नियामतपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के सेकेट्री गुरविंद्र सिंह ने शिल्पाँचल मे हो रही इस तरह की घटनाओं पर अपनी गहरी चिंता जताई है और उन्होंने यह कहा है कि अगर इस तरह का कार्य शिल्पाँचल मे हो रहा है तो ऐसे गैर कानूनी कार्यों को रोका जाना चाहिये और ऐसे कार्य को अंजाम देने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिये, ऐसा होने से सरकारी राजस्व की क्षति नही होगी, उन्होंने कहा वह इस मामले को राज्य ही नही बल्कि केंद्र सरकार तक उठाएंगे और ऐसे भ्रष्टाचार पर लगाम लगवाएंगे.

अचानक से गिरा बंदा गोभी और टमाटर का भाव, किसान परेशान

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (आसनसोल): स्थानीय स्तर पर सब्जियों की पैदावार इस बार बहुत ही अच्छी हुई है, अच्छी इसलिये की किसानो के खेत उनके द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रकार के हरी भरी सब्जियों से लहलहा रही है, जिसका मूल कारण यह है की किसानो ने अपने खेतों मे सब्जियां लगाने से पहले कड़ी मेहनत तो की ही थी,

साथ मे सब्जियों के अच्छी पैदावार के लिये विभिन्न प्रकार के खाद व विटामिन की समय -समय पर छिड़काव भी किए थे, ऐसे मे जब किसानो को उनकी कड़ी मेहनत और उनके द्वारा खेतों मे लगाए गए फसलों का फल जब मिलने का समय आया तो मंडी की रेट देखकर किसानो के सारे अरमान और उनके मेहनत व सपनों पर मानो पानी फिर गया.

बाजार मे बीस से तीस रुपए किलो बिकने वाला टमाटर का भाव तीन रुपए किलो हो गया है, जो बाजारों मे ग्राहकों के बिच पाँच से दस रुपए किलो पर उपलब्ध है,

इसके अलावा अगर हम बंदा गोबी की अगर बात करें तो बंदा गोबी का गद्दी रेट दो रुपए पीस तक पहुँच गया है, जो बाजारों मे आम ग्राहकों के लिये पाँच से दस रुपए पीस मे उपलब्ध है, इन दोनों सब्जियों के अचानक से गिरे भाव के कारण शिल्पाँचल के लोकल किसान काफी हैरान है और परेशान भी क्योंकि उनको इन फसलों से काफी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है,

खेतों मे फसल उगाने के लिये लगने वाले मेहनत और लगन तो दूर की बात अच्छी फसल के लिये खेतों मे लगे फसलों मे खाद और विटामिन के छिड़काव का खर्च भी उनको उठ नही पाया है, जिस कारण उनके चेहरे पर काफी मायूसी है, लोकल सब्जियों के गद्दी के मुंसी सुनिल

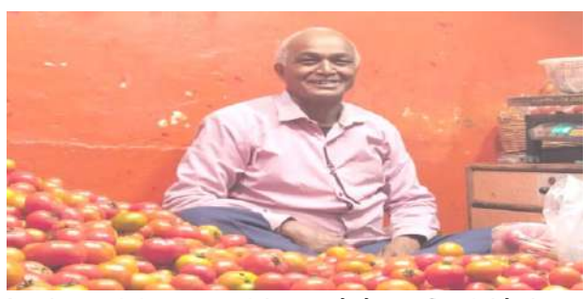

सिंह की अगर माने तो इस बार बंदा गोबी और टमाटर की अच्छी पैदावार हुई है,

आसनसोल बाजार मे लोकल सब्जियां तो घुस ही रही हैं साथ मे बाहर से भी सब्जियां आ रही हैं, ऐसे मे पूरा बाजार लोकल टमाटर और बाहरी तमाटरों के साथ -साथ बाहरी बंदा गोबी व लोकल बंदा गोबी से भरा पड़ा है, आलम ऐसा है की बाजार मे यह दोनों सब्जियां इतनी भारी पैमाने पर हैं की इन सब्जियों के खरीदार कम हो गए हैं, यही कारण है की सब्जियों का खेप फंस जा रहा है और यह सब्जियां ऐसी हैं की इन सब्जियों को ज्यादा दिनों तक रखा भी नही जा सकता है, यह सब्जियां ख़राब हो सकती हैं, चाहे यह खेत मे हो या फिर सब्जी मंडी मे इन तमाम चीजों को देखते हुए बाजार मे इन सब्जियों की यह स्थिति बनी हुई है,

सुनील ने यह भी कहा की आसा है यह स्थिति और ज्यादा दिनों तक लोकल किसानो को नही देखनी पड़ेगी होली के समय बाजारों के हालात थोड़ा सुधरने के आसार हैं जिसका इंतजार है.

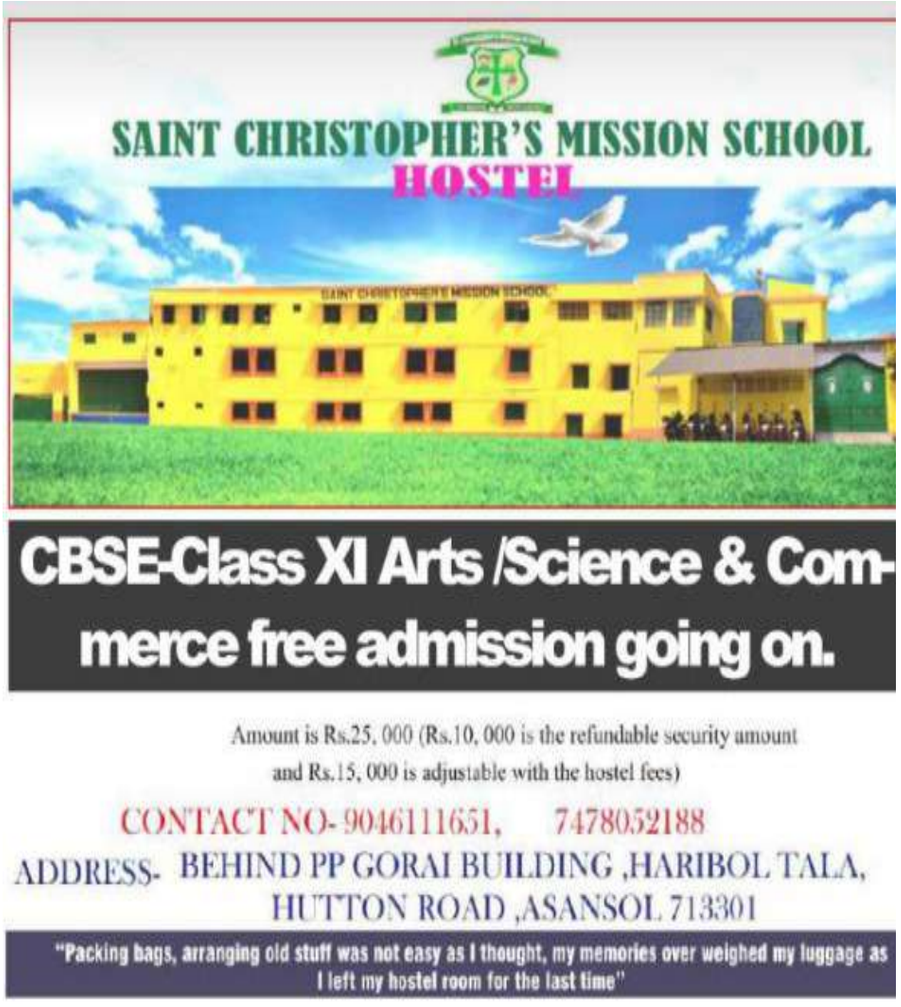

होली को इको फ्रेंडली मनाने के लिए जागरूकता अभियान, पत्रकारो एवं पुलिस की सराहनीय पहल

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (दुर्गापुर): होली के नज़दीक आते ही रंगों का त्यौहार खुशियाँ और उत्साह लेकर आता है, लेकिन इसमें पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियाँ भी शामिल रहती है। पानी की बर्बादी से लेकर रंगों में हानिकारक रसायनों तक, और इसी को ध्यान में रखते हुए आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की दुर्गापुर थाना एवं दुर्गापुर अखबार के संपादकों की एक समूह द्वारा संयुक्त रूप से एक जागरूकता अभियान चलाया गया. इस जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को इको फ्रेंडली होली मनाने की दिशा में अपील की गई.

इस कार्यक्रम में पहुंचे अड्डा के चेयरमेन कवि दत्ता, विधायक नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती, एसीपी सुबीर राय, दुर्गापुर थाना प्रभारी संज़ीव दे, आदि ने इस विषय में अपने मूल्यवान वक्तव्य रखें.

अड्डा के चेयरमेन ने कहा होली का पर्व उत्साह का पर्व है. सभी इस पर्व को आनंद से मनाई साथ ही अपने आसपास सफाई का भी विशेष ध्यान रखें. वही एसीपी सुबीर राय ने कहा होली एक प्रेम एवं सौहार्द का पर्व है. इसे ध्यान में रखते हुए होली मनाए. जबरन किसी को रंग न लगाए, रंग लगाते समय किसी को नुकसान न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए.

न्यूजपेपर एडिटर गिल्ट का पश्चिम बर्धमान की ओर से इस अवसर पर जागरूकता के लिए एक टेबलों भी रवाना किया गया. साथ ही साथ लोगों को पंपलेट भी दिए जा रहे हैं.

पत्रकारों के इस समूह द्वारा किए जा रहे जागरूकता अभियान की विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती ने प्रशंसा की और अपनी वक्तव्य में कहा होली प्रेम और सद्भावना का त्यौहार है. इस त्यौहार को पूरे आनंद से मनाये, लेकिन रसायन युक्त रंगों का परहेज करने का प्रयास करें. विधायक नरेंद्र चक्रवर्ती ने अपने हाथों से जागरूकता के पंपलेट भी बांटे.

वही थाना प्रभारी संजीव दे कहा कि केमिकल युक्त रंग त्वचा को प्रभावित करते हैं और इसका प्रभाव शरीर की तंत्रिका प्रणाली पर भी पड़ता है.

रंगों को खरीदते समय इन बातों का अवश्य ध्यान रखें, एवं शांतिपूर्ण होली मनाए.

कमिश्नरेट की पुलिस एवं पत्रकारों द्वारा चलाई जा रही इस जागरूकता अभियान की शहर के लोगों ने भी प्रशंसा की और उम्मीद जताई कि यह होली सबके लिए मंगलमय होगी.

ईसीएल सीएमडी की अध्यक्षता एफडी की बैठक में सीएसआर विभाग को सराहा

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (पाण्डेश्वर): ईसीएल मुख्यालय साकतोड़िया में सीएमडी श्री सतीश झा की अध्यक्षता में ईसीएल एफडी की बैठक आयोजित हुई, बैठक में वित निदेशक एमडी अंजार आलम, तकनीकी निदेशक निलाद्री रॉय, कार्मिक निदेशक गुंजन कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक सीएसआर समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे, सीएमडी ने कल्याण संबंधी प्रस्तावो को सुव्यवस्थित करने के लिए ईसीएल मुख्यालय के विभागाध्यक्ष कल्याण और सीएसआर और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना किया और कहा की कार्यों में तेजी और फाइलों का तेजी से और सुचारू प्रसंस्करण से यह सब संभव हुआ है.

ईसीएल के वित निदेशक ने किया झांझरा क्षेत्र का दौरा

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (पाण्डेश्वर): ईसीएल के वित निदेशक एमडी अंजार आलम ने झांझरा क्षेत्र का दौरा करने के क्रम में भूमिगत खदान में जल्द से जल्द लॉन्गवाल का संचालन शुरू होने की कार्यों को बारीकी से देखा, झांझरा क्षेत्र पहुंचने पर वित निदेशक को क्षेत्र के महाप्रबंधक आर सी महापात्रा ने फूल का गुलदस्ता देकर आत्मीय स्वागत किया, वित निदेशक ने भूमिगत खदान जाकर लॉन्ग वॉल का दौरा किया और उसके संचालन की बारीकी से समीक्षा किया, वित निदेशक ने झांझरा महाप्रबंधक समेत उनकी टीम को लॉन्ग वॉल आपरेशन शुरु करने के लिए प्रेरित भी किया, इस अवसर पर अधिकारी एनके सिंह, टीके कोले समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे,

बबलू यादव को लेकर पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर किया पुनर्निर्माण

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (दुर्गापुर) पश्चिम बर्दवान जिला के कांकसा थाना क्षेत्र अंतर्गत पानागढ़ में हुई बीते रविवार को सड़क हादसा में हुगली जिला के चंदननगर की रहने वाली इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की संचालक सुतंद्रा चटर्जी (27) की मौत हो गई थी, वही इस मामले में पुलिस ने गहराई से जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में शामिल दूसरे वाहन के मालिक और चालक बबलू यादव को लेकर कांकसा थाना पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू की। बबलू यादव फिलहाल दो दिनों की पुलिस रिमांड पर है।

इस मामले की जांच को आगे बढ़ाने के लिए कांकसा थाना पुलिस ने बबलू यादव को अपने साथ घटनास्थल पर ले जाकर इस हादसे को समझने की कोशिश की। सबसे पहले पुलिस उसे गलसी के पेट्रोल पंप लेकर गई, जहां से वाहन निकला था। इसके बाद पुलिस उसे उस जगह लेकर गई जहां दुर्घटना घटी थी। इसके बाद पुलिस बबलू यादव को कांकसा थाना में जब्त किए गए दोनों वाहनों के पास ले गई।

यहां पुलिस यह समझने की कोशिश करेगी कि दुर्घटना के समय दोनों गाड़ियों की स्थिति क्या थी, किसकी गलती से यह हादसा हुआ, और क्या बाबलू यादव की भूमिका इस हादसे मैं संदिग्ध है।वही पुलिस इस पुरे मामले से जुड़े अन्य पहलुओं को बारीकी से जाँच कर रही है कि यह हादसा कैसे हुआ, हादसे में कोई तापरवाही हुई थी या गाड़ी की तेज गति थी या गाड़ी में कोई तकनिकी खराबी हुई थी, इन सभी सवालों के जबाब जाँच कर रहे पुलिस अधिकारीयों द्वारा जुटाई जा रही है।

आसनसोल में जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (आसनसोल): आसनसोल के रवीन्द्र भवन में ऑल बंगाल योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा पश्चिम बर्दवान जिला स्तर पर शनिवार को योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न हिस्सों से आए 165 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह पहला स्वामी विवेकानंद पश्चिम बर्दवान जिला ओपन योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप था। इस प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अप्रैल महीने में होने वाले प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। इस मौके पर यहां मुख्य अतिथि के रूप में आसनसोल नगर निगम के उपमेयर अभिजीत घटक उपस्थित हुए, इसके अलावा आसनसोल शिल्पाचल के विशिष्ट समाजसेवी कृष्णा प्रसाद भी यहां पर उपस्थित थे। दोनों ने इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी और कहा कि योग हमारे देश की धरोहर है। आज की नई पीढ़ी तक हमारी इस धरोहर को पहुंचाने के लिए इस तरह के प्रतियोगिताओं का आयोजन बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन और योगासन को बढ़ावा देने के लिए जो भी करना होगा जरूर वह करेंगे।

राजमहल क्षेत्र के दो अधिकारियों को सेवानिवृत होने पर सम्मान समारोह

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (पाण्डेश्वर): ईसीएल के राजमहल क्षेत्र में सेवानिवृत होने वाले महाप्रबंधक उत्खनन डीके वर्मा, वरीय प्रबंधक विद्युत यांत्रिक मूसा अली के सम्मान में क्षेत्रीय कार्यालय सभागार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, इस अवसर पर उपस्थित क्षेत्र के महाप्रबंधक अरूपा नंद नायक ने सेवानिवृत होने वाले दोनों अधिकारियों को उनकी कंपनी के लिए सेवा भावना का जिक्र किया और वरिष्ठ नागरिक बन जाने के बाद उनकी उज्वल भविष्य की कामना किया, महाप्रबंधक ने दोनो अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र और उपहार सामग्री देकर विदा किया, इस अवसर पर महाप्रबंधक संचालन दिनेश शर्मा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे,

फर्जी मतदाताओं को पकड़ने के लिए विधायक का अभियान

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (पाण्डेश्वर): फर्जी मतदाताओं को पकड़ने के लिए तृणमूल जिला अध्यक्ष सह विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती का घर-घर अभियान जारी है|

नेताजी इंडोर स्टेडियम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश के ठीक बाद, लगातार सक्रिय है तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व। इसी क्रम में आज विधायक नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती अपने विधानसभा क्षेत्र में खुद घर-घर घूम-घूम कर वोटर कार्ड जांच रहे है| पांडवेश्वर के हरिपुर क्षेत्र के सुखबाजार खोट्टाडीही इलाके में आज जांच अभियान चलाई गई| घर -घर जाकर मतदाता सूची की जांच की.

इस संदर्भ में विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती ने कहा, भाजपा भारत की नकली पार्टी है. दिल्ली- गुजरात में फर्जी वोट का सहारा लेकर सरकार बनाई है। लेकिन पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही अलर्ट कर दिया है। इसलिए हमलोग पश्चिम बर्दवान जिले में भी लगातार सक्रियता के साथ फर्जी मतदाताओ के खिलाफ अभियान चला रहे है|

कैलाश मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए विशिष्ट समाजसेवी कृष्णा प्रसाद

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (जामुड़िया): शिल्पाचंल के विशिष्ट समाजसेवी एवं धार्मिक प्रवृत्ति के धनी कृष्णा प्रसाद जामुड़िया के मॉडर्न सातग्राम स्थित प्राचीन कैलाश मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए,

इस दौरान कैलाश मंदिर कमेटी के द्वारा कृष्णा प्रसाद का भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया और कमेटी के लोगों द्वारा उनके जो प्रयागराज महाकुंभ में ऐतिहासिक सनातनी झंडा को बुलंद करने के लिए जो कदम उठाया, उसकी भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि विश्व में शायद ही कोई ऐसी सनातनी महान आत्मा है जो इस तरह का बीड़ा उठाकर शिल्पांचल के करीब 2000 लोगों को ऐतिहासिक 144 साल बाद लगने वाले महाकुंभ में अमृत स्नान करवाने का सौभाग्य प्राप्त करवाते हैं।

कृष्ण प्रसाद ने वहां पहुंचकर सभी श्रद्धालुओं का एवं विशेष कर कमेटी के सभी सदस्यों का आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया, जिन्होंने 24 घंटे अखंड हरि नाम संकीर्तन का आयोजन किया है एवं 24 घंटे के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारा का आयोजन कमेटी के माध्यम से किया गया है। उन्होंने आह्वान किया है की सनातनी झंडा के परचम को बहुत ऊंचाई तक ले जाना है। सभी का योगदान धार्मिक कार्यों में होना चाहिए। ताकि समाज में एक अच्छा संदेश लोगों के मध्य जाए।

उन्होंने वहां के कमेटी के लोगों से आवेदन किया कि जो प्राचीन कैलाश पुरी मंदिर है इसको रंग रोगन का व्यवस्था किया जाए। इस मंदिर को सुंदरीकरण करके इस मंदिर को भव्य बनाया जाए.

अंत में उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन में रुचि लेने वाले लोगों के साथ संपर्क करके आने वाले दिनों में विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान उनके द्वारा कराया जाएगा।

शताक्षी महिला मंडल पांडवेश्वर की ओर से सफाई कर्मियों के बीच सामग्री का वितरण

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (पाण्डेश्वर): शताक्षी महिला मंडल वेलफेयर एसोसिएशन, डीसरगढ़ ईसीएल ऑफिसर्स वाइव्स सोसायटी के अंतर्गत पांडवेश्वर शाखा की ओर से निजी सफाई कर्मियों के बीच सामग्री का वितरण किया गया,

पांडवेश्वर शाखा की अध्यक्षा कोयल भट्टाचार्य ने बताया कि हमारी ईसीएल की अध्यक्षा किरण झा एवं सभी उपाध्यक्षा जीरक आलम, संचिता रॉय और अनुभा सिन्हा की कुशल मार्गदर्शन और दिशा निर्देश में हमलोग अपनी सामाजिक कार्यों का अंजाम देते है, इसी के तहत क्षेत्रीय कार्यालय समेत आसपास में सफाई का कार्य करने वाले 30 निजी सफाई कर्मियों के बीच कंबल, छाता, हॉटपॉट, चप्पल और भोजन का पैकेट वितरण किया है, उन्होंने कहा कि पांडवेश्वर शाखा की ओर से लगातार सामाजिक दायित्व के तहत सेवा की जाती है,

इस अवसर पर शताक्षी महिला मंडल की मीना सिंह, अर्पणा कुमार, तरन्नुम, शताब्दी घोष, किरण माहिच, कावेरी आचार्य आदि उपस्थित थी.

ऑल बंगाल प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन ने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को किया पुरस्कृत

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (आसनसोल): आल बंगाल प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन की ओर से शनिवार को शिक्षा और बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निखिल बंग मेधा पुरस्कार का आयोजन किया गया, इस मौके पर पश्चिम बर्दवान जिला के 53 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस वार्षिक कार्यक्रम में समान्य ज्ञान , स्वास्थ्य ज्ञान, सामाजिक जागरूकता और शैक्षिक प्रश्नोत्तरी जैसी प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया गया।

इस बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए संगठन की पश्चिम बर्दवान जिला सचिव मधुमिता राय ने बताया कि 22 सितंबर 2024 को पूरे राज्य भर में आल बंगाल प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन की ओर से मेधा अन्वेषण का आयोजन किया गया था। इसमें पूरे राज्य भर के विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों पर परीक्षा ली गई थी और बहुत से विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। ऐसे ही मेधावी विद्यार्थियों में से जो विद्यार्थी पश्चिम बर्दवान जिला के हैं, ऐसे 53 मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

उन्होंने कहा कि उनके संगठन की तरफ से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह का कार्यक्रम किया जाता है और यह मेधा अन्वेषण किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज कांकसा से लेकर चितरंजन तक पश्चिम बर्दवान जिला के 53 ऐसे मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जा रहा है।

रानीगंज के रोटेरियन बने जोनल कोऑर्डिनेटर

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (रानीगंज): रोटरी इंटरनेशनल जिले 3240 के 2025-26 के निर्वाचित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मेघालय के शिलांग के रोटेरियन कामेश्वर एलांगबाम ने रानीगंज रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व असिस्टेंट गवर्नर संदीप भालोटीया को जोन वन का जोनल कोआर्डिनेटर नियुक्त किया है। आसनसोल के रोटेरियन चंदन मुखर्जी को वर्ष 2025 -26 के लिए जोन वन का असिस्टेंट गवर्नर नियुक्त किया गया है। रानीगंज के निवासियों के लिए खुशी की बात है कि विगत में संदीप भालोटीया ने रानीगंज रोटरी क्लब का नेतृत्व बहुत अच्छी तरह कर शहर का मान बढ़ाया जिसमें उन्होंने 2012-13 में जिले के 76 क्लबों में सर्वोच्च क्लब, सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष के अलावा अपने कार्यकाल में तकरीबन 15 अवार्ड अर्जित किए थे जिसमें से 6 अवार्ड जिले के सर्वश्रेष्ठ स्तर के थे। उन्होंने 2010 में रोटरी क्लब की सदस्यता ग्रहण की, उसके अगले साल उन्होंने सचिव के रूप में उल्लेखनीय कार्य किया और अगले ही साल उन्होंने अध्यक्ष के पद पर रहते हुए रानीगंज रोटरी के इतिहास में आज तक के सबसे सफल अध्यक्ष के रूप में काम किया है। रोटरी इंटरनेशनल 3240 जिला दुनिया का सबसे बड़ा जिला माना जाता है जिसमें भारतवर्ष के साथ उत्तर- पूर्व के 7 राजस्व राज्यों के अलावा बंगाल का आधा हिस्सा और सिक्किम भी शामिल है।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

आज का राशिफल

02 मार्च 2025
रविवार

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन मिलाजुला रहेगा. दाम्पत्य जीवन सुखमाय रहेगा. धार्मिक कार्यों में मन लगेगा. खर्च में वृद्धि होगी. भागदौड़ अधिक रहेगी. स्वास्थ्य विकार हो सकता है. धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं. अनावश्यक क्रोध पर नियंत्रण रखें.

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा. कारोबार फायदेमंद साबित होगा. पुराने रोग में काफी राहत महसूस करेंगे. अधिक खर्च और चतुर वित्तीय योजनाओं से बचें. जीवन साथी के संबंध मजबूत बनेगे. स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा. भावुक होने से बचना होगा.

मिथुन
दिन सामान्य रहेगा. अपने क्रोध और वाणी का नियंत्रण रखे. यात्रा पर कीमती सामान का ध्यान रखें. जरुरतमंदो की मदद को तत्पर रहे. पारिवारिक समस्याए दूर हो जाएंगी. जीवनसाथी से नोकझोक होगी. स्वास्थ्य का ध्यान रखे.

कर्क
दिन अच्छा रहेगा. अपने आप में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे. पैसा अनावश्यक चीजों पर खर्च हो सकता है. जीवनसाथी या माता-पिता से किसी मुद्दे पर बात करेंगे. परिवार के सदस्य छोटी सी बात को राई का पहाड़ बना सकते हैं.

सिंह
दिन मिलाजुला रहेगा. बिना सोचे-समझे पैसा बर्बाद ना करे. स्वार्थ और आलस्य का त्याग करें. परिवार में चल रहे कलह को दूर करने का प्रयास करे. आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा. आज कारोबारिक खुशखबरी सुनने को मिल सकती है.

कन्या
दिन अनुकूल नहीं रहेगा. व्यक्तिगत समस्याएं मानसिक शांति भंग कर सकती हैं. ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है. दुसरो को वित्तीय काम और पैसे का प्रबंधन न करने दें. वाणी में संयम रखें. लेनदेन के मामले में सतर्कता बरते.

तुला
दिन बढ़िया रहेगा. पुराने रोग से शीघ्र राहत मिलेगा. कीमती समय अपने बच्चों के साथ बिताएं. अपनी कमाई क्षमता को बढ़ाने की ताकत और समझ दोनों ही रहेंगे. आर्थिक परेशानियां दूर होगी. कार्यक्षेत्र में मान सम्मान में वृद्धि हो सकती है.

वृश्चिक
दिन सामान्य रहेगा. सेहत में उथल-पुथल हो सकती है. संपत्ति से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ मिलेगा. मित्रों और परिवार के सहयोग से नए आत्मविश्वास और रोमांच से भरे रहेंगे. पेशेवर तौर पर आपको पहचान मिल सकती है.

धनु
दिन उत्तम रहेगा. कार्यस्थल पर सफलता देखने को मिल सकती है. स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा. जरूरत से ज्यादा खर्च न करें. रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को नवीनीकृत करें. आपकी किसी अजनबी से मुलाकात होगी. परिवारिक कलह हो सकती है.

मकर
दिन शानदार रहेगा. आज आप शरारती मूड में रहेंगे. नई आर्थिक योजनाओं से सामना होगा. कोई भी निर्णय लेने से पहले फायदे और नुकसान पर ध्यान से विचार करें. पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. कार्यक्षेत्र और घर में जिम्मेदारियां को समय से निभाएं.

कुंभ
दिन मिलाजुला रहेगा. ज्यादा खाने से बचे. मित्रों के सहयोग से आर्थिक परेशानी दूर होगी. आपमें धैर्य की कमी रहेगी. संयम बरतें. कार्यक्षेत्र में आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे. महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे. दीर्घकालीन योजनाओं को गति मिलेगी.

मीन
दिन आनंद भरा रहेगा. आपको अपना पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. बच्चे भविष्य की योजना बनाएगे. सूझबूझ से कार्य करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा. अजनबी से दूरी बनाकर रखें, नहीं तो बाद में आपको समस्या हो सकती है.

झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जर हालत पर सीएजी की रिपोर्ट ने किया बड़ा पर्दाफाश

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): रांची/ सरकारी योजनाओं में घोटाले, कोविड फंड की बर्बादी, दवाओं की कमी और मातृत्व लाभ में गड़बड़ियां हर तरफ अनियमितताओं का बोलबाला है, सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि चिकित्सकों और दवाओं की कमी, कोविड फंड का सही उपयोग न होना, आयुष्मान भारत और अबुआ स्वास्थ्य योजना के क्रियान्वयन में धांधली जैसे मुद्दे अराजक व्यवस्था को दर्शने के लिए काफी है.

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था सुधार की सख्त जरूरत है. सरकार अगर जल्द ही आवश्यक कदम नहीं उठाती, तो राज्य की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने में और ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा,

राज्य के सरकारी अस्पतालों में हालात इतने खराब हैं कि 65% से 95% तक जरूरी दवाएं उपलब्ध ही नहीं थीं. सरकार के दावे खोखले साबित हो रहे हैं और मरीजों को इलाज के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है. रिपोर्ट कहती है कि एक ओर जहां अस्पताल, इंडोर, ओपीडी, आईसीयू में जरूरी और आपातकालीन दवाओं की कमी है,

वहीं झारखंड में दवा खरीद के लिए बनाए गए कॉर्पोरेशन के पास 1395.67 करोड़ रुपये रहने के बावजूद 2016 से 2022 तक दवा और उपकरणों की खरीद पर सिर्फ 279.39 करोड़ (20%) खर्च हो पायी. कॉरपोरेशन 77% से 88% आवश्यक दवा नहीं खरीद पाया. नतीजा यह हुआ कि अस्पतालों में दवाओं की कमी रही,

केंद्र ने कोविड-19 प्रबंधन के लिए 483.54 करोड़ रुपये जारी किए, राज्य को 272.88 करोड़ रुपये जोड़ने थे. लेकिन कुल 756.42 करोड़ रुपये में से सिर्फ 137 करोड़ रुपये ही खर्च हो सके. नतीजा-आरटी-पीसीआर लैब, ऑक्सीजन प्लांट और अस्पतालों की बुनियादी सुविधाएं अधूरी रह गईं, सरकारी लापरवाही का खामियाजा जनता भुगत रही है,

वित्तीय अनियमितताओं का आलम यह है कि 2023-24 में विभिन्न विभागों को दिए गए 19,125.88 करोड़ रुपये की राशि का कोई उपयोगिता प्रमाण पत्र तक जमा नहीं किया गया. यानी सरकारी खजाने से पैसा निकला, लेकिन गया कहां इसका कोई रिकॉर्ड नहीं. क्या ये पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया? ऑडिट रिपोर्ट ने एक और बड़ी गड़बड़ी यह पकड़ी गई है कि झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 2018-19 और 2021-22 में प्रतिबंधित कंपनी से 9.55 करोड़ की दवा खरीद की है. बोकारो और धनबाद में मातृत्व लाभ योजना में खुला खेल खेला गया. चार महीने के अंदर ही एक ही महिला को दो बार लाभ दे दिया गया और हर बार 1,500 रुपये की अनुग्रह राशि दी गई. यह सिर्फ एक उदाहरण है, असल में इस तरह की अनगिनत गड़बड़ियां हो रही हैं,

हेमंत सरकार की 'अबुआ स्वास्थ्य योजना' के नाम पर गरीबों को ठगा जा रहा है. योजना की शर्तें ऐसी रखी गईं कि सिर्फ बड़े कॉरपोरेट अस्पतालों को फायदा मिले, जबकि ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों को इससे बाहर कर दिया गया. क्या सरकार सिर्फ बड़े अस्पतालों को फायदा पहुंचाना चाहती है? गरीबों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं सिर्फ एक दिखावा बनकर रह गई है,

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली ने निजी अस्पतालों की चांदी कर दी है. सरकारी सिस्टम पूरी तरह फेल हो चुका है और आम जनता को इलाज के लिए महंगे निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, अगर सरकार ने जल्द ही जरूरी कदम नहीं उठाए, तो झारखंड की जनता को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं से भी वंचित रहना पड़ेगा. सवाल यह है कि आखिर इस भ्रष्टाचार और लापरवाही की जिम्मेदारी कौन लेगा?

दीदार हुआ पाक रमजान का चाँद, तराबी शुरू, पहला रोजा आज

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): रमजान का पाक महीना चांद नजर आते ही शुरू हो गया है, इसके साथ ही भारत में आज से तराबी शुरू हो गया. अब रविवार 02 मार्च से रोजा रखा जाएगा, मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए इसका बेहद आध्यात्मिक धार्मिक महत्व है, रमजान के पवित्र महीने के दौरान 29-30 दिनों तक रोजा रखा जाता है, रमजान के इस पाक महीने पर लोग रोजा रखने के साथ-साथ इबादत करते हैं, रमजान का पाक माह शुरू हो गया है, रविवार से मुस्लिम समाज के लोग रोजाना 29-30 दिनों तक रोजा रखेगे। कहते है कि इस्लाम धर्म मे रमजान का महीना बहुत ही पाक महीना माना जाता है, पूरे महीने रोजे रखे जाते हैं और खुदा की इबादत की जाती है, चांद दिखने के साथ ही रमजान का महीना शुरू हो जाता है, रमजान में हर दिन अहले सुबह सहरी और इफ्तार का विशेष महत्व होता है। इस पूरा महीना में लोग दान पुण्य करते है।

बिजली घर के ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग, धूं-धूं कर जला ट्रांसफार्मर

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): जिले के भौरा ओपी क्षेत्र अंतर्गत23|8खदान स्थित गांधी नगर के बिजली घर के ट्रांसफॉर्मर में भीषण आग लग गई, आग लगते ही पूरे गांधी नगर और भोरा में अफरा-तफरी मच गई, घटना के बाद सूचना मिलते ही अग्निशमन की 3 वाहनें मौके पहुंच कर आग पर काबू पाया गया,

बताया जा रहा है कि भौरा ओपी क्षेत्र के 23|8 खदान स्थित गांधी नगर के बिजली घर के ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई. आग से उठती धुआँ ने पूरे भौंरा वासियों को भयभीत कर दिया, इसके बाद आग लगने की सूचना स्थानीय लोगों ने बीसीसीएल के अधिकारियों को दिया, अधिकारी ने तुरंत बिजली पावर हाउस से बिजली कटवाया, इसके बाद अधिकारियों और स्थानीय भोरा ओपी प्रभारी ने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी, इधर आग अपना विकराल रूप ले रहा था, आग का विकराल रुप देख बीसीसीएल की ओर से वाटर टैंकर मंगाया गया, उससे आग बुझाने का प्रयास किया गया. तब तक दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया, ट्रांसफ़ॉर्मर 150 केवीए का बताया जा रहा है, आग लगने का कारण ओवरलोडिंग, शॉर्ट सर्किट हो सकता है,

वहीं स्थानीय वार्ड 39 पूर्व पार्षद शिव कुमार यादव ने कहा कि ट्रांसफार्मर में आग लग गई. बीसीसीएल दमकल को सूचना देने पर तुरंत पहुँच गए , आग पर काबू पा लिया गया है, ट्रांसफार्मर के जलने से गांधी नगर में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है. यह प्रयास करेंगे कि जल्दी दूसरा ट्रांसफार्मर लग जाय।

धनबाद एसएसपी ने निरसा थाना प्रभारी सहित 6 थाना प्रभारीयों को हटाया

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एच. पी. जनार्दनन ने जिले में कानून व्यवस्था को सख्त करने के लिए बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। उन्होंने लापरवाही बरतने के आरोप में एक इंस्पेक्टर सहित छह थाना प्रभारियों को लाइन क्लोज कर दिया है और उनकी जगह नए दारोगाओं को जिम्मेदारी सौंपी है।

निरसा थाना प्रभारी मनजीत कुमार सिंह, जो अपनी तेजतर्रार कार्यशैली के लिए जाने जाते थे, को हटाकर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। उनकी जगह कतरास सर्किल इंस्पेक्टर अनिल शर्मा को निरसा थाना की कमान सौंपी गई है।

सरायढेला के सब-इंस्पेक्टर पीकू प्रसाद को लोयाबाद थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि अब तक लोयाबाद की जिम्मेदारी संभाल रहे सत्यजीत राय को

लाइन क्लोज कर दिया गया है।

बैंक मोड़ में पदस्थापित पवन कुमार को जोगता थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं, लोयाबाद के सब-इंस्पेक्टर राहुल कुमार सिंह को सुदामडीह थाना की कमान दी गई है।

पूर्वी टुंडी से राजेश लोहारा को कुमारडूबी थाना प्रभारी बनाया गया है। गोविंदपुर में पदस्थ सब-इंस्पेक्टर मनिता कुमारी को मुनिडीह ओपी प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस लाइन में तैनात मंगल प्रसाद कुजूर को खरखरी थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

जनवरी में खरखरी में हुई हिंसा के बाद यह इलाका सुर्खियों में रहा था। पुलिस ने यहां के कुख्यात अपराधी और "डॉन" कहे जाने वाले कारू यादव को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा था।

धनबाद एसएसपी एच. पी. जनार्दनन ने इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल से स्पष्ट कर दिया है कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कदम उन अधिकारियों के लिए चेतावनी है, जो अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरत रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कई अन्य पुलिस अधिकारियों पर भी गाज गिर सकती है, क्योंकि एसएसपी की निगाहें अभी और कई थाना प्रभारियों पर टिकी हुई हैं।

एक साईबर ठग टुंडी से गिरफ्तार, साईबर पुलिस ने की करवाई

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): एसएसपी एच पी जनार्दन के निर्देश पर प्रतिबिंब पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध नंबरों के विरुद्ध धनबाद साईबर पुलिस ने मधुरसा नीम टांड़ जंगल से ठगी कर रहे एक साईबर अपराधी को गिरफ्तार किया है।

इस बात की जानकारी साईबर डीएसपी संजीव कुमार ने प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि गत 28 फरवरी को गुप्त सूचना मिली कि साईबर ठग मधुरसा निमटांड जंगल से लोगों से ठगी करने का काम कर रहे है ।जिस पर साईबर थाना धनबाद और टुंडी के पदाधिकारियों को छापेमारी करने का आदेश दिया। इस पर जब साईबर पुलिस की टीम ने छापेमारी की तो पाया कि दो लड़के कुछ लोगों से ओटीपी और केडिट कार्ड के संबंध में बातचीत कर रहे थे। लेकिन जैसे ही पुलिस पहुंची तो एक लड़का भाग खड़ा हुआ। एक लड़का पकड़ा गया। पकड़े गए ठग के पास चार मोबाइल और पांच सिम कार्ड बरामद की है।

पकड़ा गया साईबर ठग आरबीएल बैंक के नाम से वॉट्सएप बनाया हुआ था। और उसी से ऐप डाउन लोड करवा कर मोबाइल का एक्सेस प्राप्त कर लोगो से ठगी कर पैसे की निकासी करता था। गिरफ्तार साईबर ठग का नाम सतीश कुमार उर्फ सतीश कुमार मंडल बताया जाता है। साईबर पुलिस की इस करवाई से साईबर ठगो की नींद उड़ गई है।

मुख्य कार्यालय अधीक्षक का विदाई सह सम्मान समारोह

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): धनबाद रेल मंडल कार्यालय में पर्सनल विभाग के मुख्य कार्यालय अधीक्षक देबयेंन्दु चौबे "राजू" का सेवानिवृत्ति सह सम्मान समारोह का आयोजन धनबाद रेलवे ग्राउंड के गैलरी हॉल मे किया गया

श्री चौबे 1988 को मंडल रेल कार्यालय मे बहाली हुआ और 37 वर्ष कार्य करने के बाद रिटायरमेंट हुए उनका रेल के कार्य के साथ-साथ स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भी उनका विशेष रुचि था जिसमें क्रिकेट में भी जादा झुकाओ था जिसके कारण वह धनबाद रेल मंडल के क्रिकेट खिलाड़ी भी थे और समिति से भी जुड़े रहे और ईस्ट सेंटर रेलवे कर्मचारी यूनियन ईसीआरकेयू धनबाद शाखा दो के कई महत्वपूर्ण पदों पर पदाधिकारी रह चुके हैं उनका भरपूर परिवार में उनका पत्नी रखी चौबे एकमात्र पुत्र अभिषेक चौबे आदित्य बिरला ग्रुप मुंबई के सहायक प्रबंधक है आज का इस समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों ने बारी-बारी से श्री चौबे के कार्यकाल पर प्रकाश डाला केक काटे उपहार दिया गया, साल उड़ाके सम्मान किया गया ओर अंत मे सभी को खाना खिलाया गया।

आज का इस विदाई समारोह में विशेष रूप से वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अजित कुमार सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी आर.के सिंह सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी अमरेंद्र कुमार, राकेश राव, एन के खवास, अमिताव बनर्जी, नितिन प्रधान, अमीर हासमी, महादेब सिंह, राकेश कुमार सिंह, राजीब कुमार, तपन भट्टाचार्जी, संकु सरकार, गौतम ओझा, आशीष मुख़र्जी, मंजरी पांडेय, अनीता, लिपिका चौबे, सुदर्शना पाण्डेय, सस्टि, रजिआ और रेल कर्मचारी क्रिकेट खिलाड़ी, परिवार के सदस्य ओर शुभचिंतक उपस्थित थे।

नौ दिनों में ट्रायल कर, कोर्ट ने सुनाया फैसला, रांची सिविल कोर्ट ने रचा 'नया इतिहास'

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): रांची/ रमजान अंसारी ने आरोप लगाया था कि तीनों आरोपियों ने हत्या की नीयत से उस पर हमला किया था, इस मामले में कांड संख्या 237/2024 के तहत जगरनाथपुर थाना में केस दर्ज किया गया था। आमतौर पर कोर्ट के मामलों में सालों-साल लगने की खबरें आती हैं, लेकिन रांची सिविल कोर्ट ने महज 9 दिनों में ट्रायल पूरा कर फैसला सुना कर मिसाल पेश की है। यह मामला जगरनाथपुर थाना क्षेत्र से जुड़ा था, जिसमें रमजान अंसारी ने जाकिर खान, शाकिर खान और शहीद खान पर हत्या की नीयत से हमला करने का आरोप लगाया था। रमजान अंसारी ने आरोप लगाया था कि तीनों आरोपियों ने हत्या की नीयत से उस पर हमला किया था। इस मामले में कांड संख्या 237/2024 के तहत जगरनाथपुर थाना में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद दिसंबर महीने में चार्जशीट दाखिल की थी।

वाहन के शीशे पर नाम प्लेट लगाने वालों पर रांची ट्रैफिक पुलिस ने कसी नकेल

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): रांची/ रांची में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर अब सख्त कार्रवाई होने जा रही है। रांची ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ियों के शीशे पर नेम प्लेट, बोर्ड या पट्टा लगाकर चलने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्ती बरतने का फैसला लिया है। शुक्रवार को ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। अब सिर्फ चालान ही नहीं बल्कि कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने साफ किया है कि अब कोई भी वाहन चालक अपनी गाड़ी के शीशे पर कोर्ट, आर्मी, पुलिस, प्रेस, सरकार, प्रशासन, मंत्रालय जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकता है।

6 दिवसीय एमपीएल क्रिकेट मैच का आगाज

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): तीसरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मकुंदा पंचायत के कालीटांड़ ग्राउंड में शनिवार से एमपीएल क्रिकेट मैच का शुरुवात किया गया . इस टूर्नामेंट में 5 लेजेंट टीम ओर 8 जूनियर टीम ने भाग लिया है. इस छ दिवसीय मैच में पहले दिन कुसमांटांड़ लेजेंड टीम जिसका कप्तान पूर्व मुखिया मधुसूदन मोदक और के ओसीपी लेजेंड टीम जिसका कप्तान रणजीत सिंह के बीच मैच खेला गया. जिसमें के ओ सी पी लेजेंड टीम 96 रनों का लक्ष्य दिया वही कुसमांटांड़ लेजेंड टीम 8 विकेट से 5 ओवर में ही जीत हासिल कर लिया. वही दूसरा मैच मकुंदा लेजेंड टीम जिसका कप्तान संटू सिंह और अलकडीहा लेजेंड टीम जिसके कप्तान कुलदीप रवानी के बीच मुकाबला हुआ. 8 ओवर में अलकडीहा लेजेंड टीम 62 रन का लक्ष्य दिया. वही मकुंदा लेजेंड टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 2 विकेट गवाकर 5 ओवर में जीत हासिल कर लिया. खेल का उद्घाटन वरिष्ठ जेएमएम नेता युद्धेश्वर सिंह, पंचायत समिति हीरालाल मोदक, बीजेपी नेता धर्मजीत सिंह, बीजेपी मंडल अध्यक्ष बिरची सिंह, नवीन ठाकुर आदि लोग मौजूद थे।

सीएफएम संक्षिप्त

कुम्भ के श्रद्धालुओं के आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): रणधीर वर्मा चौक पर आम आदमी पार्टी तथा अन्य सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर कुंभ में गए वैसे श्रद्धालु जिनकी आकस्मिक मृत्यु हो गई है उन श्रद्धालुओं के आत्मा की शांति के लिए एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपनी बात रखते हुए कहा कि कुंभ में मारे गए सभी पुण्य आत्माओं को शहीद का दर्जा दिया जाए तथा आयोजन में हुई चूक के कारण दुर्घटना घटने के वजह से आयोजन कर्ताओं पर कानूनी कार्रवाई हो कार्यक्रम में उन आत्माओं के शांति के लिए पुष्प अर्पित किया गया तथा दीप जलाया गया 1 मिनट का मौन रखा गया एवं दुख प्रकट किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेंद्र सिंह राजेश कुमार मदन राम समरेंद्र पासवान भास्कर सुमन संजय सिंनहा नीतीश कुमार गुप्ता रॉकी मंडल नंदलाल ताती जावेद खान डब्लू अंसारी मोहम्मद इमरान बबलू अंसारी आदि मौजूद थे।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल कतरास मोड़ कार्यालय में बैठक

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): शनिवार संध्या विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल कतरास मोड़ कार्यालय में बैठक रखा गया बैठक की अध्यक्षता झरिया नगर संयोजक रंजीत पासवान ने की बैठक में मुख्य रूप से धनबाद महानगर के धर्म प्रचार प्रसार धर्मेंद्र सरोज धनबाद महानगर के संपर्क प्रमुख कन्हैया उत्सव के नेतृत्व में बैठक किया गया। जिसमें नगर के सभी कार्यकर्ताओं ने निर्णय लिया कि झरिया नगर में होली मिलन समारोह मनाने का निर्णय लिया गया जिसमें धनबाद महानगर के धर्म प्रचार प्रसार प्रमुख धर्मेंद्र सरोज ने संगठन विस्तार पर चर्चा किया आगे आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में उपस्थित राजेंद्र हरि राजेश रावत दिनेश सिंह अभिषेक सिंह प्रेम कुमार सोहन पांडे टिंकू हरि शिव केसरी रविंद्र यादव उमेश सिंह आदि कार्यकर्ता थे।

पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): झरिया प्रखंड के भाल गढ़ा स्थित तारा बागान, धोबी कुलहि ,ऊपर कुल्ही हामिद नगर, पोद्दार पाड़ा, सिंह नगर में पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह के कर कमलों द्वारा हुआ जहा सड़क बनने से स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए विधायक श्रीमती सिंह का अभिवादन किया वही इस दौरान विधायक श्रीमती सिंह ने स्थानीय लोगों में मिठाई बांटी। मौके पर कुंदन सिंह, आशीष सिंह, राहुल सिंह, मन्ना सिंह, हामिद अंसारी, स्वरूप भट्टाचार्य, रघु, शिवांश कुमार आदि थे.

श्री चैती मंदिर में कल एक आम बैठक रखी गई है

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): रांची/ श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के द्वारा कल एक बैठक बुलाई गई है। दोपहर 12 बजे मंदिर प्रांगण में होंगी।जिसमें वर्ष 2024 का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाएगा जो संस्था के कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह) जी के द्वारा दी जाएगी। आय व्यय प्रस्तुति के बाद संस्था के मुख्य संरक्षकों के द्वारा कमेटी भंग करने या फिर पुनः विस्तार पर विचार विमर्श की जाएगी निर्णय हो जाने के बाद विचार विमर्श किया जाएगा एवं चैत्र नवरात्र दुर्गा पूजा पर चर्चा होगी।

लोदना क्षेत्र के संयुक्त ट्रेड यूनियन की एक बैठक संपन्न

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): शनिवार को लोदना क्षेत्र के संयुक्त ट्रेड यूनियन की एक आवश्यक बैठक सीआईटीयू के शाखा कार्यालय एमओसीपी में सुदर्शन प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मजदूरों के समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। जिसमें विभागीय परियोजना का विस्तार,मशीनों के स्थानांतरण के खिलाफ एवं मजदूरों को स्थानांतरण संबंधी मुद्दों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही साथ यह भी चर्चा किया गया कि एकीकृत नॉर्थ/ साउथ तिसरा/ जीनागोरा परियोजना में पिछले दिनों चली धरना के बाद कोयला भवन में जो समझौता हुआ उसका पालन प्रबंधन द्वारा नहीं किए जाने पर यूनियन पदाधिकारियों ने तिब्र आक्रोश जाहिर किया और चेतावनी दिया कि यूनियन के वरीय पदाधिकारियों के साथ किए गए समझौते को पूर्ण रूप से पालन करने में प्रबंधक द्वारा टालमटोल की नीति अपनाई हैं।

बैठक में इन मुद्दे को लेकर 5 मार्च, को पुनःक्षेत्रीय संयुक्त ट्रेड यूनियन की बैठक होगी। जिसमें साउथ/ नॉर्थ/ जीनागोरा के सभी यूनियन के शाखा अध्यक्ष/ सचिव को भी आमंत्रित किया जाएगा। उक्त बैठक में प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ आंदोलन का शंखनाद किया जाएगा।

बैठक में शिव कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, बिहारी लाल चौहान, उमाशंकर शाही, सुनील राय, कन्हाई सिंह, मुनिलाल राम, धर्मेंद्र राय, उज्जवल दे, वीरेंद्र पासी, जितेंद्र निषाद और पशुपति नाथ देव आदि उपस्थित थें।

जिप अध्यक्ष ने किया रोलेक्स सर्कस का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): जिला परिषद मैदान में शनिवार को जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह ने रोलेक्स सर्कस का शुभारंभ फीता काटकर और दीप जलाकर किया।मौक़े पर विशिष्ट अतिथि में डीथ्री के ऑनर शांतनु चंद्रा, भाजपा नेता मुकेश पांडेय, पुरुषोत्तम रंजन विकास साव, जग्गू महतो उपस्थित रहे।

जिप अध्यक्ष शारदा सिंह ने इस अवसर पर कहा कि एक लम्बे अंतराल के बाद धनबाद जिले में सर्कस का आयोजन हुआ है। यह सर्कस बच्चों को काफ़ी ज्यादा आनंदित करता है। कई तरह के इवेंट्स इस सर्कस में दिखाए जाते हैं, जो लोगों को काफ़ी मनोरंजन करता है। इसलिए तमाम धनबाद वासियों से यही अपील है कि अपने बच्चों के साथ परिवार के लोगों के साथ सर्कस का आनंद लेने जरूर आएं।

आयोजकों ने बताया कि एक माह तक यह सर्कस चलेगा, इसमें टिकट की दरें 300 रु, 200 रु और 100 रु निर्धारित है. तीन शो 1 से 3 ,4 से 6 और रात्रि के 7 से 9 बजे तक चलेगा. प्रत्येक शो में एक साथ दो हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है।

टिकट लेकर पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर दर्शक बैठकर सर्कस का आनंद ले सकेंगे। रोमांच से भरपूर इस सर्कस में देश भर के कई बेहतरीन कलाकार अपनी कला का जादू दिखाने पहुंचे हैं। मणिपुर के कई कलाकर भी हैं जोकि अद्भुत कला प्रदर्शित कर रहे हैं। कुल मिलाकर यह सर्कस अगले एक माह लोगों को खूब रोमांचित करनेवाला है। सर्कस प्रबंधक रूपेश कुमार सिंह ने बताया की धनबाद में काफी समय से इसकी मांग की जा रही थी। कोयलांचलवासियो के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रमों को तय किया गया है। पहले दिन दर्शकों की भारी तादाद में पहुंचने से सर्कस प्रबंधन सहित सभी कलाकार काफी उत्साहित दिखे।

अनुभूति एक एहसास ऑल इंडिया सांस्कृतिक कम्पीटीशन एंड फेस्टिवल का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (धनबाद): अनुभूति एक एहसास ऑल इंडिया सांस्कृतिक कंपटीशन एंड फेस्टिवल में डांस, सिंगिंग इंस्ट्रूमेंट्स एंड ड्राइंग कंपटीशन एंड फेस्टिवल में डांसिंग का दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिन शनिवार को बीसीसीएल सीएमडी की धर्मपत्नी मिली दत्ता, बीसीसीएल डायरेक्टर पर्सनल की धर्मपत्नी पूर्विता रमैया,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वैभव सिन्हा, काला हीरा के डॉयरेक्टर राजेंद्र प्रसाद, एआईटीसी उपाध्यक्ष वशिष्ठ सिन्हा, क्लब इंडिया के संस्थापक संतोष रजक, समाजसेवी सुमित सवारियां, अनुभूति एक एहसास की सेक्रेटरी सारसी चंद्रा एवं आकाश सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। मंच संचालन श्रुति चंद्रा और शिप्रा भट्ट ने किया।

स्थानीय नन्हे कलाकारों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक एवं शानदार प्रस्तुति दी। निर्णायक में सिमरन छाबड़ा ने बारीकी से प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के प्रतिभाओं का आकलन कर उन्हें अंक दिए। उसी आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता घोषित किया गया जिन्हें अतिथियों के द्वारा मंच पर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय चंद्रा श्यामल राय चौधरी, सम्पा राय चौधरी की सक्रिय भूमिका थी। अनुभूति एक एहसास की सचिव सारसी चंद्रा ने बताया इस आयोजन से बच्चों को अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण मंच मिलता है पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से उनका मनोबल बढ़ता है और वह बड़े मंच की और अग्रसर होते है। बच्चों के प्रतिभाओं को निखारने के लिए बीसीसीएल, 99 ग्रुप ऑफ कंपनीज क्लब इंडिया में अपना सहयोग एवं समर्थन दिया है।

सत-साहित्य से समृद्ध होता समाज

महान साहित्य के पीछे शब्द शक्ति और सामर्थ्य

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: शब्दों की महिमा को अपरंपार और अक्षर को नश्वर बताया गया है। वैसे तो शब्दों की तीव्रता तलवार से ज्यादा नुकीली और भाले से ज्यादा चुभने वाली होती है। तलवार की धार से मनुष्य एक बार बच भी सकता है पर मुंह से बोले गए शब्द व्यक्ति को मृत्यु सा मूर्छित कर देते है। इसीलिए चिंतकों ने कहा है बोलने से पहले कई बार सोचें और बोलने के बाद सोचने वाला व्यक्ति समाज में मूर्खों की श्रेणी में गिना जाता है। राजनीति और कूटनीति में सारी जद्दोजहद शब्दावली और भाषणों की होती है कूटनीति में एक शब्द के कई अर्थ निकाले जाते हैं और उससे अपना हित अहित साधा जाता है।

मुंह से बोले गए शब्द और वाक्य बहुत सकारात्मक भी हो सकते हैं और बड़े ही भयंकर नकारात्मक भी हो सकते हैं। एक ही शब्द कहीं पर बड़े से बड़ा दंगा करवा सकते हैं और कहीं पर बोले गए प्यार के शब्द बड़े-बड़े विवादों में सुलह करा सकते हैं। शब्द की परिणति उसकी मुक्ति ही करती है। बड़े-बड़े राजनेता अभिनेता अपने मुंह से बोले गए शब्दों से लोकप्रियता के चरम पर पहुंच जाते हैं और कहीं किसी नेता के मुंह से निकला हुआ शब्द बाण समाज में विषाद और जहर भर देता है। शब्दों के जादूगर बड़ी-बड़ी आम सभाओं में सोच समझकर इस्तेमाल कर अपना सार्थक प्रभाव छोड़ते सत्ता परिवर्तन भी शब्दों के माया जाल से हि होता है। अंग्रेजी साहित्य में अरनेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना जाता था उनके शब्दों का प्रभाव सीधे पाठकों के दिल तक पहुंच जाता था इसी तरह हिंदी में तुलसीदास विश्वव्यापी कवि है उनकी वाणी में सत्य और अमृत है। आधुनिक हिंदी साहित्य मेंअज्ञेय जी को इसी श्रेणी में रखा जा सकता है उनकी शब्दावली कठिन होते हुए भी पढ़ने वालों के मर्म तक पहुंच जाती है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद हिंदी और देवनागरी लिपि को आत्मसात कर उपन्यास तथा कहानी और लिख कर अमृत्व को प्राप्त किया है। देवकीनंदन खत्री जी ने भी उपन्यासों खाकर चंद्रकांता संतति, भूतनाथ पढ़ने के लिए हिंदी को सीखा और मनन किया और लोकप्रिय उपन्यास की उत्पत्ति की, कबीर अपने फक्कड़पन की भाषा के कारण उत्तर भारत के सभी दिलों में समाए हुए हैं। निसंदेह शब्द जीवंतता प्रदान करते हैं और जीवनशैली को बेहतर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं और द्रौपदी द्वारा कहे गए शब्द महाभारत की उत्पत्ति का कारण बनते हैं। इसलिए सदैव कहा जाता है की संभलकर बोलने से सद्गति प्राप्त होती है। इसीलिए तो संभल कर सही और उपयुक्त शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। अकबर इलाहाबादी साहब कहते हैं,

खीचों न कमानों को, न तलवार निकालो,
जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।

जो सदैव अच्छा वक्ता होता है अपने विचारों को संभल कर बोलता है भले ही वह दिलों को ना छुए पर उसका जनमानस के दिलों को जीतना तय होता है और संसार पर वही राज करता है जो अपने शब्दों का सही इस्तेमाल करता है, गलत शब्द से, गलत संभाषण से गलत विचारों से बोला गया वाक्य प्रलय भी ला सकता है। शब्दों को तौल कर विचार कर बोलना चाहिए अन्यथा उसके नतीजे भयानक भी हो सकते हैं। शब्दों की मार बहुत ही तेज और बहुत मीठी भी होती है एक शब्द महायुद्ध करवा सकता है और दूसरा शब्द ऐसी शीतल फुहाँरे छोड़ता है कि सारा युद्ध उन्माद अखंड शांति में बदल जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका रूस, जापान, यूरोपीय देशों में दिए वहां के राष्ट्रपति व राजनेताओं द्वारा दिए गए भाषणों संभाषणों से युद्ध और कई बार शांति स्थापित हुई है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री तथा उनके कैबिनेट के मंत्री अपने दिए गए वक्तव्य से ही सारी दुनिया से अलग अलग हो गए हैं। और भड़काऊ भाषण के कारण आज दुर्गति को प्राप्त हुए हैं। भारत शांति का दूत माना जाता है शांति स्थापना की सदैव मीठी वाणी बोलता आया है और यही कारण है कि भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति का पुजारी एवं दूत कहा जाता है एवं सदैव अंतर्राष्ट्रीय विवादों में उनके राजनेताओं को मध्यस्थता अथवा समझौते के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। यही कारण है कि रूस यूक्रेन के लंबे युद्ध में विश्व के पूरे देश एवं रूस तथा यूक्रेन के राजनेता भी भारत की ओर युद्ध की शांति की पहल की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यही कारण है की युवा पीढ़ी को सदैव कम बोलने, सदाचारी संभाषण देने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है भारत की सांस्कृतिक तथा साहित्यिक विरासत को सत साहित्य और संतुलित भाषा का मनुष्य तथा समाज के विकास के लिए पर्याय माना गया है। इसीलिए संतुलित भाषा मीठी भाषा बोलने से सदैव समाज तथा देश का वातावरण विकास के अनुकूल होता आया है।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

सहकारिता को समर्पित युगपुरुष लीलाधर पंडित

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: मध्यप्रदेश अपेक्स बैंक के रिटायर्ड केडर आफिसर और सहकारिता विशेषज्ञ लीलाधर पंडित जो एल डी पंडित के नाम से पहचाने जाते है से विगत 30 वर्षों से संपर्क में हूँ। सहकारी साख एवं बैंकिंग के क्षेत्र में उन्होंने काम करते 60 वर्ष से अधिक का समय व्यतीत किया है ओर उनकी पूरी सेवाकाल एक निष्ठावान ओर सहकारी बैंक ओर सहकारी संस्थाओं के हित में समर्पित अधिकारी होने पर मध्यप्रदेश सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनके अनुभव का लाभ लेने के लिए अपेक्स बैंक का सलाहकार नियुक्त कर उनके सलाह को अपेक्स तक सीमित न रखकर सरकार ने सहकारिता विभाग के अनेक मामलों में उनकी सलाह से काम किया। मैं सहकारिता के कई मसलों पर एल डी पंडित जी से संपर्क कर उनके अनुभव का लाभ लेता रहा हूँ। 28 नवंबर 2021 को विदेश प्रवास के रहते बैंक का कार्य प्रभावित होने से राज्य सरकार ने उन्हे अपेक्स बैंक के विषय विशेषज्ञ, सलाहकार के पद से हटा दिया था जबकि वे जबकि वे इसके पर्व 2 कार्यकाल तक इस पद पर रह चुके थे। मेरी काफी समय से उनसे भेंट नहीं हुई, किन्तु मोबाइल से चर्चा होती रहती है। पिछली भेंट अगस्त 2024 में हुई तब मैंने उनके निजी जीवन पर प्रश्न कर जवाब चाहा, उनसे हुई चर्चा में उन्होने बताया कि –वे विगत 65 वर्ष से अधिक समय से सहकारिता विभाग के कार्यानुभव रखते है ओर उन्होंने इस दरम्यान अपेक्स बैंक ओर सरकार के द्वारा लिए कई अच्छे-बुरे निर्णयों में आंतरिक एवं बाह्य कारणों से आए कई भूचाल ओर उतार-चढ़ाव देखे है ओर उन्होंने स्वीकार किया कि- मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे अति ईमानदार, सहकारिता के समर्पित पदाधिकारियों के साथ काम करने का सुअवसर मिला, परिणामस्वरूप मैंने उनके गुणों को अपने सेवाकाल में अपनाने के प्रयास किया ओर सफल भी रहा हूँ।

अपनी स्मृतियों को ताजा करते हुए श्री पंडित ने बताया कि इंदौर प्रीमियर कॉ'आपरेटिव बैंक अपना गौरवशाली शताब्दी वर्ष मना चुका है, यह बहुत हर्ष का विषय है। इंदौर बैंक वाकई प्रदेश की सहकारी बैंकिंग प्रणाली के लिये भी गौरव है। जिस बैंक की स्थापना होलकर स्टेट के महाराजा ने की हो और जिसके अध्यक्ष सर सेठ हुकुमचंद, राय बहादुर सरदार, माधवराव किबे, श्रीनिवास द्रविड़, बापू सिंह मंडलोई, आनंदराव जोशी, राधेश्याम शर्मा एवं कैलाश पाटीदार जैसे दिग्गज रहे हों, उस संस्थान के यशस्वी होने में कोई संदेह नहीं किया जा सकता है। हम सब उसके जैसे ही हो, इसके लिये ईश्वर से प्रार्थना है। बात करते हुए उनके माथे पर चिंता की लकीरें दिखी ओर वे कहने लगे कि- प्रदेश में सहकारी संरचना बदलते समय के साथ अनेक समस्याओं से ग्रस्त है, किन्तुर सुधार के लिये हमारे पास कोई ठोस रोडमैप नहीं है। प्रदेश स्तर पर ऐसा कोई असरकारक फोरम तैयार नहीं हो सका है। कभी-कभी ऐसा भी लगता है कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में सहकारिता की प्रासंगिकता है भी कि नहीं। यह भी बिलकुल स्पष्ट है कि किसी भी संस्था, समाज या देश में यदि नेतृत्व अच्छा हो तो आंतरिक एवं बाह्य त्वक हानि नहीं पहुंचा सकते।

अपने पुराने दिनों को याद करते हुये वे कहते है कि कितने अच्छे थे वे लोग जो पूरी निष्ठा से बैंक के प्रति समर्पित हो एक रुपए का खर्च भी बैंक से न कर अपने वेतन से खर्च करते थे'। यादों को ताजा करते उन्होंने कहा कि-शाजापुर जिला सहकारी बैंक में मेरी नियुक्ति सहायक प्रबंधक पद पर जून 1965 में हुई। मैं सितम्बर, 1968 तक इस पद पर रहा। इस दौरान मध्य भारत के पूर्व प्रधानमंत्री सर्व श्री लीलाधर जोशी, शिवाजीराव देशमुख, बापूराव देशमुख बैंक के अध्यक्ष रहे। प्रत्येक संचालक मण्डल की बैठक में संचालक गण बारी-बारी से चाय का खर्च वहन करते थे, ताकि बैंक को व्यय न करना पड़े। बैंक के वाहन का उपयोग न कर वे अपने-अपने साधनों से यात्रा करते थे। बैंक के उपाध्यक्ष ग्राम दुपाड़ा निवासी नारायण सिंह पटेल प्रवास के दौरान न केवल अपना भोजन, किन्तु कर्मचारियों का नाश्ता साथ लेकर आते थे। पैनी नजर रखकर आदर्श प्रस्तुत करने वाले लोगों कि कमी नहीं थी इसका एक उदाहरण पंडित जी ने देते हुये कहा कि- वर्ष 1968 -70 की बात होगी, जब खरगोन जिला बैंक के सचिव थे रमाकांत खोड़े जी। उन्हें खबर मिली की बैंक के प्रबंधक के सेंधवा शाखा के प्रवास के समय शाखा प्रबंधक ने बैंक खर्च से उनकी आवभगत की। फौरन शाखा प्रबंधक को प्रधान कार्यालय बुलाया गया। शाखा प्रबंधक ने उन्हें पूर्ण आश्वस्त किया कि आवभगत उन्होंने अपने पैसों से की थी, तब कहीं जाकर वे संतुष्ट हुये।

अनुकरणीय व्येक्तित्वक के धनी लोगों कि प्रशंसा करते हुये एलडी पंडित ने बताया कि- मध्यअप्रदेश राज्यक सहकारी बैंक में मेरी नियुक्ति संवर्ग अधिकारी के रूप में सन्न 1968 मे हुई। पहली पदस्थी धार जिला बैंक थी। सौभाग्य से बैंक अध्यवक्ष थे पत्रकार श्रीकृष्णर शर्मा। वे एक अत्यन्तै ईमानदार एवं सहकारिता के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। उनके इन गुणों के कारण तत्कालीन कलेक्टर श्री रविन्द्र शर्मा उनका बहुत आदर करते थे। उनके साले श्री शिवनारायण शर्मा बैंक के अध्यक्ष बनने के पूर्व से ही समिति प्रबंधक थे। उन्होंने रुपये 230 रुपये की वित्तीय अनियमितता की। श्री कृष्ण लाल ने ब्याज सहित पूरी राशि की वसूली की और उनका त्यागपत्र ले लिया। एक बार मैं अपने साथ-अधिकारियों के साथ बैंक में चाय पी रहा था। उन्हों ने मेरे कक्ष में प्रवेश किया। उन्हें भी चाय पेश की गयी। उन्होंने यह कहकर चाय लेने से इंकार कर दिया कि अधिकारियों की तरह प्रतिमाह रूपये 10 का अंशदान उनसे नहीं लिया गया है। आखिर वे भी प्रतिमाह रूपये 10 का अंशदान जमा कर ही चाय पीते थे।

देश सेवा को अपना धर्म मानने वाले लोग अगर झूठे ही किसी से सहकारिता की आलोचना सुन ले तो यह उन्हे बरदाश्त। नहीं होता था उन्होंने आगे अपनी बात जारी रख बताया कि- धार में सन 1971 में बैंक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में तत्कालीन मंत्री श्री अमोलकचंद छाजेड पधारे। उन्होंने मंच से सहकारिता की आलोचना की। श्री कृष्ण लाल जी उखड़ गये। छाजेड जी को अपने शब्दों क्षमा याचना सहित वापस लेने पड़े।

अपेक्स बैंक भोपाल में वर्ष 1968 में श्री काशी प्रसाद पाण्डेय, अध्यक्ष एवं श्री लक्ष्मण प्रसाद भार्गव उपाध्यक्ष थे। धार से मेरा तबादला सन 1973 में अपेक्स बैंक के जबलपुर मुख्यालय हो गया। 3 विभागों का प्रमुख होने के नाते मेरा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष से अक्सर मिलना होता था। श्री काशी प्रसाद जी को सिकी मूंगफली खाने का शौक था। वे भृत्य बाबूलाल को मूंगफली खरीदने हेतु जेब से 1 रूपया निकालकर देते थे। उपाध्यक्ष एवं बाद में अध्यक्ष बने श्री लक्ष्मण प्रसाद भार्गव एक विद्वान वकील होकर ऑल इंडिया बार कौंसिल के अध्यक्ष रहे। जब भी भोपाल आये अपने भोजन का व्यय स्वयं वहन किया। एक बार गुना बैंक के प्रवास के दौरान उन्हें सिर दर्द हो रहा था, उन्होंने तत्कालीन प्रबंधक श्री तारण सिंह पाण्डेय से सेरिडोन की एक गोली मंगाने के लिये अपनी जेब से 20 पैसे निकालकर दिये। उनके उपाध्यनक्ष, बाद में अध्यक्ष रहते अपेक्स बैंक का शानदार भवन, शाखा गेस्ट हाउस, कर्मचारी आवासों का निर्माण हुआ। ठेकेदार थे सादिक एण्डक कम्पबनी के सज्जाशद भाई। जब महामहिम राष्ट्रपति श्री फखरूददीन अली अहमद ने अक्टूरम्बएर 1975 में भवन का उदघाटन किया, ठेकेदार श्री सज्जारदअली ने मंच से कहा- मैंने कई बडे-बड़े प्रोजेक्टट देश में किये है, किन्तुा अपैक्सि बैंक जैसी ईमानदारी कहीं नहीं देखी।

ईमानदार व्यक्ति को प्रताड़ित किया जाता है, अपनी बात जारी रखते हुये एलडी पंडित ने ईमानदारी की सजा का जिक्र करते हुये कहा कि-कानून के दायरे में ईमानदारी से कार्य सम्पाकदन करने के कारण वर्ष 1981 से 2003 तक मेरे 10 से अधिक स्थारनान्त रण हुये। इसी दौरान मेरी पदस्थी जगदलपुर से भिण्डी कर दी गयी। तत्का लीन प्रबन्धेक ने सोचा होगा कि भिंड में ये निपट जायेंगे, किन्तु वहाँ बैंक के अध्यक्ष थे, मशहूर वकील श्री बटेश्वर दयाल मिश्र, उनसे मेरी जोड़ी बहुत अच्छी रही। अपनी संपत्ति की तरह वे बैंक के धन की सुरक्षा करते थे। बैंक के पीछे भवन का विस्तार हो रहा था। यदि दीवारों की तराई करने वाला न पहुंचे तो वे साइकिल रिक्शा से बैंक आकर सुबह'-सुबह स्व यं तराई करते थे। इस अवसर पर मुझे नरसिंहपुर जिला बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री आनंद नारायण मुशरान की याद आ रही है। सन 1976 से 1979 तक उनके साथ काम करने का अवसर मिला। अपनी स्वयं की कार से बैंक का कार्य सम्पादन करना एवं छोटी अनियमितता को भी बर्दाश्त नहीं करना, उनकी आदत में था। नरसिंहपुर बैंक उनके नाम से जानी जाती थी। ऐसे थे हमारे पूर्व पदाधिकारी, जिन पर हमको गर्व होना चाहिये।

सहकारिता के भविष्य को लेकर चिंतित श्री एलडी पंडित से के लोगों को संदेश देने के लिए आग्रह किए जाने पर उनका कहना था- आज के पदाधिकारियों द्वारा मात्र अपने कर्तव्यों का अनुसरण करने से सहकारिता संगठन की स्थिति बदल सकती है। गंगोत्री मैली न हो, बस उसको हम रखे ध्या न। संस्था मूक होती है, उनका संरक्षण करना पदाधिकारियों का नैतिक दायित्व है। गरीब तबके को समृद्ध बनाने के लिए गंभीर चिंता, निष्पादन एवं अनुश्रवण आज की मॉग है। यक्ष प्रश्न –-आज के पदाधिकारीगण यदि कुछ प्रश्न अपने आपसे पूछे तो निश्चित ही संस्थागत लाभ की स्थिति बनेगी और हमारी छवि आमजन की नजर में उज्जवल होगी ओर सहकारिता अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगी। सहकारिता में आने वाले सारे पदाधिकारियों ने निर्वाचित होने के साथ ही बैंक चलाने के गुर सीख लिये है, इसकी अनिवार्यता आवश्यक होने से संस्था तरक्की कर सकेंगी। निर्वाचित पदाधिकारियों ने क्या जानबूझकर लाभ प्राप्ति हेतु ऐसा कोई काम तो नहीं किया है, जिससे बैंक की छवि धूमिल हुई हो। क्या बैंक के बाहर भी उनके बारे में आम लोगों की धारणा अच्छी है क्या वे बैंक के रोजमर्रा के काम में दखल देते है। जैसे तमाम प्रश्नों के उत्तर कार्यान्वित ओर क्रियान्वित होते दिखने से ही सहकारिता सफलता प्राप्त कर सकेगी। श्री एलडी पंडित सहकारिता के युगपुरुष के रूप में मध्यप्रदेश में अपनी पृथक पहचान बनाए हुए है जिनके आचरण का अनुसरण करना सहकारिता में ईमानदार ओर कर्तव्यनिष्ठ होना है, जिसकी आज आवश्यकता है।

आत्माराम यादव पीव

पुण्य स्मरण: स्वतंत्रता की अमर सरिता, सरोजिनी नायडू

क्रांति की कवयित्री, स्वतंत्रता की अग्निशिखा

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: सरोजिनी नायडू— एक ऐसा नाम जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली गाथा में स्वर्णाक्षरों से अंकित है। वे केवल एक क्रांतिकारी नेत्री नहीं थीं, बल्कि विलक्षण कवयित्री, प्रखर वक्ता और समाज सुधारक भी थीं। उनकी वाणी में ओज और विचारों में अद्भुत स्पष्टता थी। उनके शब्दों में विद्रोह की ज्वाला थी, तो कविताओं में कोमल भावनाओं की सरिता प्रवाहित होती थी। 2 मार्च 1949 को यह अनमोल सितारा अस्त हो गया, लेकिन उनकी विचारधारा की रोशनी आज भी भारतीय जनमानस को आलोकित कर रही है। उनकी पुण्यतिथि मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात करने और उनके सपनों के भारत के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देती है। उनका स्मरण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके जज़्बे को चेतना में जीवित रखने का संकल्प है।

सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय विद्वान और वैज्ञानिक थे, जबकि माता वरदा सुंदरी कवयित्री थीं। इस बौद्धिक और सांस्कृतिक वातावरण में पली-बढ़ी सरोजिनी बचपन से ही लेखन में रुचि रखने लगीं। महज 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने "लेडी ऑफ दी लेक" नामक लंबी कविता लिखी, जिसने उनकी काव्य प्रतिभा को उजागर किया। आगे चलकर उनकी लेखनी इतनी प्रभावशाली बनी कि उन्हें "भारत कोकिला" कहा जाने लगा। उनकी कविताओं में भारतीय संस्कृति, प्रकृति और देशप्रेम की झलक मिलती है। सौंदर्य, विद्रोह और राष्ट्रीयता का अनूठा समावेश उनकी रचनाओं को विशेष बनाता है। लेकिन सरोजिनी नायडू केवल एक कवयित्री भर नहीं थीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की निडर सेनानी भी थीं। महात्मा गांधी से प्रेरित होकर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और महिलाओं को संग्राम से जोड़ने का कार्य किया। 1925 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष बनीं, जो उस समय महिलाओं के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि थी। उनका नेतृत्व महिलाओं की भागीदारी को नए आयाम देने वाला साबित हुआ।

ब्रिटिश शासन के खिलाफ उन्होंने सत्याग्रह और असहयोग आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान वे महात्मा गांधी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलीं और नमक सत्याग्रह में गिरफ्तारी दी। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भी उन्होंने जेल की यातनाएँ झेलीं, लेकिन उनके संकल्प और साहस को कोई डिगा नहीं सका। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्रता की लड़ाई केवल पुरुषों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि महिलाओं को भी समान रूप से इसमें भाग लेना चाहिए। उनके इस विचार ने महिलाओं के भीतर नई ऊर्जा का संचार किया और उन्हें सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया। उनकी कविताएँ ओजस्विता और सौंदर्य का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती हैं। उनका पहला कविता संग्रह "गोल्डन थ्रेशहोल्ड" (1905) प्रकाशित होते ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिला गया। उनकी अन्य प्रसिद्ध कृतियाँ "द बर्ड ऑफ टाइम" (1912) और "द ब्रोकन विंग" (1917) भी साहित्यिक जगत में सराही गईं। अंग्रेज़ी भाषा में रचित उनकी कविताएँ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभक्ति की सुगंध से सराबोर थीं। अपनी सशक्त अभिव्यक्ति के माध्यम से उन्होंने न केवल समाज की संवेदनाओं को शब्द दिए, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की ज्वाला को भी प्रज्वलित किया।

स्वतंत्रता के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश की पहली महिला राज्यपाल बनने का गौरव प्राप्त हुआ। इस पद पर रहते हुए उन्होंने सामाजिक कल्याण और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए। वे महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सतत प्रयासरत रहीं और उनके उत्थान के लिए कार्य करती रहीं। उनका जीवन सादगी और संघर्ष का प्रतीक था। वे केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि एक संवेदनशील साहित्यकार, ओजस्वी वक्ता और निडर स्वतंत्रता सेनानी थीं। अपने हास्यबोध और सजीव वक्तृत्व कला के लिए प्रसिद्ध सरोजिनी नायडू की वाणी में जोश और विचारों में स्पष्टता थी, जिससे वे लोगों को प्रभावित करने में सक्षम थीं। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और उनके लिए सामाजिक व राजनीतिक स्तर पर नए द्वार खोले।

2 मार्च 1949 को यह अनमोल ज्योति बुझ गई, लेकिन उनकी रोशनी सदियों तक भारतीय जनमानस को आलोकित करती रहेगी। उनका जीवन संघर्ष, समर्पण और अटूट देशभक्ति का जीवंत उदाहरण है। वे केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। आज जब हम महिला सशक्तिकरण और समानता की बात करते हैं, तो हमें सरोजिनी नायडू जैसे महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका जीवन सिखाता है कि संकल्प, संघर्ष और अडिग इच्छाशक्ति से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है। उनकी लेखनी में जो राष्ट्रीयता की भावना थी, वही भावना हमें अपने समाज और देश को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करनी चाहिए। उनके विचार और संघर्ष हमें यह संदेश देते हैं कि बदलाव केवल भाषणों से नहीं, बल्कि कर्मों से आता है। उनके योगदान को आत्मसात करना और उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वे केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जो युगों-युगों तक हमें प्रेरित करती रहेंगी।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (मप्र)

सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों से जुड़े हुए हैं प्रदर्शन कलाएँ और रंगमंच

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: मजदूर वर्ग को आजाद कराने और स्थापित सत्ता के खिलाफ क्रांति को मज़बूत करने के लिए 20वीं सदी की शुरुआत में नुक्कड़ नाटक का विकास हुआ। इसकी शुरुआत मुख्य रूप से उपनिवेशवाद विरोधी युग के दौरान भारत में वामपंथी रंगमंच कार्यकर्ताओं द्वारा की गई थी। यद्यपि नुक्कड़ नाटक और लोक नाटक में कई समानताएँ हैं, लेकिन नुक्कड़ नाटक एक सीधा-सादा कलात्मक माध्यम होने के बजाय एक सहभागी सामाजिक संचार प्रक्रिया है। इस निबंध में सामुदायिक विकास के एक उपकरण के रूप में नुक्कड़ नाटक के कार्य और क्षमता की जांच की गई है, जो सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देना चाहता है। 1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद, थिएटर उद्योग में महत्त्वपूर्ण उथल-पुथल हुई। अधिक लोकप्रिय फ़िल्म शैलियों से प्रतिस्पर्धा ने मनोरंजन थिएटर उद्योग को नुक़सान पहुँचाया। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बंगलौर जैसे प्रमुख शहरों में शौकिया रंगमंच का विकास हुआ।

जैसे-जैसे क्षेत्रीय नाट्य परम्पराएँ विकसित हुई हैं, भारत का रंगमंच और प्रदर्शन कलाएँ सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक रही हैं। न्याय को बढ़ावा देने, सत्ता का विरोध करने और सामाजिक अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए रंगमंच एक सशक्त माध्यम साबित हुआ है। बढ़ते क्षेत्रीय राष्ट्रवाद, राष्ट्र का प्रश्न और उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष की जटिल कथाओं ने क्षेत्रीय नाट्य परम्पराओं के विकास को प्रभावित किया है। उदाहरण के लिए, बंगाली नाटक नील दर्पण (1860) में बताया गया कि ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों का किस प्रकार शोषण किया जाता था। आधुनिक रंगमंच सांस्कृतिक उत्पादन के औपनिवेशिक मॉडलों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रथाओं के प्रतिच्छेदन ने आधुनिक रंगमंच को आकार दिया है। रंगमंच सहित प्रदर्शन कलाएँ सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त साधन तथा चर्चा के लिए एक जीवंत मंच बनी हुई हैं। रंगमंच लंबे समय से भारत में जागरूकता बढ़ाने, सुधार और प्रतिरोध के लिए एक सशक्त साधन रहा है, जिसका प्रभाव राजनीतिक आंदोलनों के साथ-साथ सामाजिक संरचनाओं पर भी पड़ा है। शास्त्रीय रीति-रिवाजों से लेकर समकालीन नुक्कड़ नाटकों तक, इसने सामाजिक बदलावों को प्रतिबिंबित करने और प्रभावित करने के लिए कभी भी बदलाव करना बंद नहीं किया है। सामाजिक अन्याय को लंबे समय से रंगमंच के माध्यम से प्रकाश में लाया जाता रहा है।

ब्रिटिश शासन के दौरान नील की खेती करने वाले किसानों के शोषण को 1860 में बंगाली थियेटर के नील दर्पण द्वारा सार्वजनिक किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर नाटकों और लोक प्रदर्शनों के माध्यम से संगठित किया गया था। रंगमंच के माध्यम से, भारतीय जन रंगमंच संघ (इप्टा) ने 1943 में उपनिवेशवाद विरोधी भावना को बढ़ावा दिया। निम्न वर्ग के समुदाय रंगमंच के माध्यम से अपनी पहचान व्यक्त करने में सक्षम रहे हैं। दलित सशक्तिकरण और अम्बेडकरवादी दर्शन को भीम नाट्य (महाराष्ट्र) द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। रंगमंच का उपयोग भ्रष्टाचार को उजागर करने और नीतियों की आलोचना करने के लिए किया गया है। 1980 के दशक में, सफ़दर हाशमी के जन नाट्य मंच ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जिनमें सरकारी नीतियों की आलोचना की गई; इसके कारण 1989 में उनकी हत्या कर दी गई। कानून और सामाजिक सुधार रंगमंच से प्रभावित हुए हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 में प्रकाशित पुस्तक सखाराम बाइंडर में महिलाओं के अधिकारों और घरेलू दुर्व्यवहार के खुलासे पर चर्चा के परिणामस्वरूप सख्त सेंसरशिप कानून बनाये गये। धार्मिक और सामाजिक परंपराएँ: प्राचीन रंगमंच की मज़बूत धार्मिक और सामाजिक जड़ें थीं। कुटियाट्टम (केरल) , जिसे 2001 में यूनेस्को द्वारा मान्यता दी गई थी, अभी भी संस्कृत रंगमंच की परंपराओं को क़ायम रखे हुए है। लोक रंगमंच के माध्यम से सामाजिक टिप्पणी: वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को लोक परंपराओं में प्रतिबिंबित किया गया है।

नक्सलवादी आंदोलन के दौरान वर्ग संघर्ष को जत्रा (बंगाल) में दर्शाया गया। आधुनिक रंगमंच में मानवाधिकार, लोकतंत्र और भ्रष्टाचार नए विषय बन गए। 1950 के दशक में हबीब तनवीर के नया थिएटर ने लोक और आधुनिक विषयों को मिलाकर सामाजिक मुद्दों को चित्रित किया। राज्य हस्तक्षेप और सेंसरशिप: राजनीतिक रूप से संवेदनशील नाटकों पर सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाए जाते हैं। विजय तेंदुलकर की 1972 की फ़िल्म घासीराम कोतवाल को जाति आधारित भ्रष्टाचार और शोषण को उजागर करने के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया था। डिजिटल प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता ने थिएटर के प्रभाव और पहुँच को बढ़ा दिया है। सामाजिक सक्रियता के लिए, यूट्यूब आधारित थिएटर समूह, जैसे जन नाट्य मंच, डिजिटल प्रदर्शनों का उपयोग करते हैं। भारत और विदेश के सरकारी और निजी स्रोतों ने स्वतंत्रता के बाद से भारतीय रंगमंच को इसके अनेक रूपों में सहयोग दिया है, लेकिन यह हमेशा विशिष्ट प्रतिभाओं द्वारा संचालित रहा है और पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित रहा है, साथ ही स्वदेशी संसाधनों की ओर भी मुड़ता रहा है। इस अवधि के दौरान विजय तेंदुलकर, बादल सरकार, धर्मवीर भारती, मोहन राकेश और गिरीश कर्नाड, चंद्रशेखर कंबार, पी लंकेश और इंदिरा पार्थसारती जैसे आधुनिकतावादी नाटककार पैदा हुए; उनके नाटकों का उपयोग और अध्ययन पूरी दुनिया में किया गया है।

इन नाटककारों ने थिएटर में आधुनिकतावादी आक्रोश पर गहन औपचारिक कठोरता और विषयगत ध्यान केंद्रित किया। पहचान का संकट और वैश्वीकरण के परिणाम उन विषयों में से हैं जिन पर युवा लेखक वर्तमान में कई स्थानों पर चर्चा कर रहे हैं। आधुनिक भारतीय रंगमंच मुख्यतः तीन परंपराओं से प्रभावित है: संस्कृत रंगमंच, लोक रंगमंच और पश्चिमी रंगमंच। वास्तव में, तीसरा वह है जिसे आज भारतीय रंगमंच की आधारशिला माना जा सकता है। हम सभी देख सकते हैं कि समय के साथ रंगमंच और प्रदर्शन कलाएँ किस प्रकार विकसित हुई हैं, उन्होंने सत्ता को चुनौती दी है, न्याय को बढ़ावा दिया है, तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया है। आज, पूरे देश में कई थिएटर समूह और निजी से लेकर सरकारी संस्थानों तक कई थिएटर अभिनय संस्थान हैं। अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए, उन्हें सांस्कृतिक संरक्षण, डिजिटल एकीकरण और नीति समर्थन के लिए पहल के माध्यम से अपनी स्थिति को मज़बूत करना होगा। जबकि शोषितों या आम जनता के जीवन में सामाजिक परिवर्तन लाना, नुक्कड़ नाटक आंदोलन और यात्रा के केंद्र में है।

इसे प्राप्त करने के लिए "प्रगतिशील सामुदायिक विकास" प्रक्रिया को "लोकप्रिय शिक्षा" के साथ संयोजित करना आवश्यक है। एक लोकप्रिय रंगमंचीय अभ्यास के रूप में, नुक्कड़ नाटक एक सहभागी प्रक्रिया स्थापित करने का प्रयास करते हैं जो लक्षित दर्शकों के "सांस्कृतिक रूपों" के प्रति संवेदनशील होती है। नुक्कड़ नाटक, प्रोसेनियम थिएटर के विपरीत, वह स्थान है जहाँ अभिनेता अपनी कलात्मक और व्यावसायिक रुचियों को अपनी राजनीतिक और सामाजिक मान्यताओं के साथ जोड़ते हैं। हालाँकि, इसकी क्षमता को पूरी तरह से साकार करने और समाज पर प्रभाव डालने के लिए दीर्घकालिक विकासात्मक योजना को नाट्य प्रक्रिया के साथ जोड़ा जाना चाहिए। यह लक्ष्य नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समुदाय को जानने, लोगों की चिंताओं के मुद्दों को पहचानने, मनोरंजन और सामुदायिक अभिव्यक्ति को संयोजित करने, दर्शकों की भागीदारी को आमंत्रित करने और कार्यवाही के लिए आह्वान करने से प्राप्त किया जा सकता है।

डॉ सत्यवान सौरभ

सिर नहीं झुकने दिया जाएगा

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: सर झुकाओगे तो पत्थर देवता हो जाएगा/ इतना मत चाहो उसे वो बेवफा हो जाएगा। बशीर बद्र जी का यह शेर मुझे भाता आ रहा है। लेकिन इस बीच पत्थर, देवता पर तो काफी कुछ किया, लिखा और समझाया जा चुका है। मेरा ध्यान सिर झुकाने पर आ गया है। सिर झुकाना वर्तमान समय का ऐसा मुहावरा बन गया है कि चाहे वह अखबारों में हो या तथाकथित निष्पक्ष इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो काफी दिनों से शोर मचा रहा है।

बड़े भैया ने कह दिया मैंने देशवासियों का सिर झुकने न दिया। अनायास ही वे अपने शासनकाल के सत्यों को उजागर कर गए। 'सच्चाई छुप नहीं सकती' वाली बात है। आपको अचरज होगा ऐसा कौन सा गूढ़ रहस्य है कि इस पर हो हल्ला मचाया जा रहा है। तो आइए हम खुलासा करते चलें। आपको शंका करने और हमें समाधान करने के अवसर ही कितने हैं आज के व्यस्त, त्रस्त और सुस्त जिंदगी में।

नोटबंदी या डिमॉनेटाइजेशन के पीछे न झुकने देने वाली बात थी। हम अपने पुराने नोटों को बैंकों के आगे कतारों में खड़े होकर नए नोटों में बदलवाने की कसरत कर रहे थे। तब उछल उछल कर देखते थे कि कहीं कोई और बीच लाइन में तो नहीं घुस गया। कभी आसमां पर आग उगलते सूरज की तरफ, तो कभी सामने वाले के कांधे से झांक कर देखते थे कि लाइन चल रही है या नहीं। कैसे सिर झुकाते? भार ढ़ोते-ढ़ोते कांधे जरूर झुक गए लेकिन सिर झुका नहीं। इसी तरह हमने जीएसटी के लिए भी सिर उठाकर मारामारी की मगज पच्ची की।

जब देश में कोरोना आया तीन बार वह अपना करतब दिखाते हुए सारे शासकों और प्रशासकों की निष्क्रियता का पोल खोलता हुआ मंद पड़ गया। हम अस्पताल में भर्ती होने, ऑक्सीजन पाने, वैक्सीन लगवाने लाइन पर लग गए। आसमा की तरफ सिर उठाकर ऊपर वाले से मन ही मन पूछते यह किस जन्म का बदला ले रहे हो भगवान? कुछ करिए या उठा लीजिए! हम इस वक्त भी हमेशा सिर उठाए रहे ईश्वर को कोसने या उससे मदद मांगने।

सिर झुकाने का अवसर बड़े भैया ने कभी नहीं दिया। जब मुद्रास्फीति या महंगाई आसमान छू रही है, तब हम जमीन पर देखते भी कैसे? तेल, नून, लकड़ी की तर्ज पर तेल, अनाज, सब्जियां, पेट्रोल, डीजल, ईंधन गैस, बिजली का बिल, यातायात के भाड़े... जब जाकर आसमान में बैठ गए, तो हम हमेशा खुद को आसमान में उड़ते देखते रहे,-- उन चीजों के दामों पर लगाम कसे जाने के लिए।

इतना होने के बाद भी जब सुबह उठते हैं तो सूरज को देखते हैं, जो आजकल शासक वर्ग की ज़्यादतियों की तरह आग उगल रहा है। बिजली गुल, पंखे बंद, हाथ पंखों से हवा करते हुए ऊपर देखने के अलावा किया किया जा सकता है? कहीं जाने आने में पांव की जंजीर बनी महंगाई का विकटाट्टहास आसमां में छिपे राक्षसों के स्वर सा सुनाई पड़ता है तो लगता है हम जमीन पर क्यों पैदा हुए? पांव के नीचे की जमीन खिसकती सी लगती है। जब सारा कुछ पहुंच से बाहर है तो सिर झुकाने की फुर्सत किसको है? कौन जुर्रत कर रहा है?

अब नया शगल आ गया है। ड्रोन द्वारा गुणवत्ता की जांच। इसके पहले कई वैज्ञानिक खोजों के पितामह बड़े भैया का यह लेटेस्ट तुरुप का इक्का है। ड्रोन देखने के लिए भी तो आपको ऊपर ही देखना होगा। हमेशा कोशिश करते हैं वे कि लोग सिर झुका कर नीचे न देखें। वरना खराब सड़कें, खामियों का खुला आगोश और समस्याओं के पुलिंदे नजर आएंगे। आसमान में महंगाई ने दिन में तारे दिखा दिए। निष्क्रिय प्रशासन और निद्रामग्न शासन को तो बस लोगों को भी अकर्मण्य और निष्क्रिय बनाना ही उद्देश्य रह गया है। बेरोजगारों की संख्या आसमान पर, अपराधों की संख्या शिखर पर, कमियों खामियों का हिमालय और हम हैं कि ड्रोन में अपना सुनहरा भविष्य देखते हैं। ड्रोन से आप ताक झांक जरूर कर सकते हैं। गुणवत्ता उस ऊंचाई पर सक्रिय ड्रोन से...... मेरा दिमाग तो बस नाले में से गैस और पकौड़ों की दुकान से बेरोजगारी हटाने जैसे शब्दों से अटा पड़ा है। पांडवों से प्यार था उस द्रोणाचार्य को/ हर जगह दिखने से प्यार है इस ड्रोन आचार्य को।

अब मंदिर भी जाता हूं तो सिर नहीं झुका पाता हूं, कहीं कोई पीछे से आकर सिर को ऊपर न उठाने लगे। सिर झुकाओगे तो बड़ा भैया नाराज हो जाएगा/ पता नहीं खुशहाली और शांति कौन लेकर आएगा?

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

वह वीर शिवाजी

'हिन्द राष्ट्र का वह वीर प्रहरी
हम सभी को साथ लिए आगे बढ़ा
हम हिन्दूओं के स्वाभिमान को बचाने
वह वीर शिवाजी मुगलों से लड़ा।
कभी नहीं झुकने दिया वह भगवा
जुल्म और हजारों सितमों से हमें बचाया
भारत माता की रक्षा में वीरों का वह शौर्य
वह वीर शिवाजी जय भवानी कहते हम हिन्दूओं के लिए लड़ा।
अपनी संस्कृति व धरोहर को बचाने के लिए
वह अपनी पूरी सेना लेकर आगे बढ़ा
हिंद राष्ट्र का वह वीर हम हिन्दूओं की रक्षा के लिए लड़ा
वह वीर छत्रपति शिवाजी ने हम हिन्दूओं की रक्षा का संकल्प लिया।
आस्था हमारी सनातन की वह बचाने के लिए
दुराचारी व पापीयों से वह वीर लड़ा
जिसने हिंद स्वराज्य का यशोगान गया
वह वीर शिवाजी महाराज जिसने राष्ट्र भक्ति का वह दीप जलाया।
आज भी इन्हीं महापुरुषों के तपोबल पर भारत खड़ा हैं
जो विश्व गुरु सत्य सनातन व हिन्दूओं का पुण्य बड़ा है
ऐसे महान वीर स्वाभिमानी हिन्दू हृदय सम्राट को हम नमन करते हैं
वह वीर शिवाजी जिनके पराक्रम को हम भारतीयों को नाज़ है।।

हरिहर सिंह चौहान
इन्दौर मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

ये गाँव के बच्चे

ये गाँव के बच्चे हैं जनाब,
इनकी आंखों में हैं अनेकों ख्वाब।
नंगे पाँव धूल में खेलते हैं,
आसमान को मुट्ठी में मलेलते हैं।
हवा संग भागते,नदी संग बहते,
सूरज की लौ में सपने ये गढ़ते।
खिलौने कम,हौसले ज्यादा हैं,
ये गाँव के बच्चे होनहार ज्यादा हैं।
टूटीं चप्पलें पर इरादे मजबूत,
इनका आत्मविश्वास देता है सबूत।
माटी की खुशबू में रस बसता है,
हर ठोकर खाकर इनका जज़्बा हँसता है।
ये कल के सूरज,ये आशाएं हैं,
इनके सपनों में नई दिशाएं हैं।
बस थोड़ा भरोसा बस थोड़ा साथ,
कल यहीं बदलेंगे भारत का माथ!

अभिनव शुक्ला
बाछेपारा, लखीमपुर खीरी
कोलफील्ड मिरर

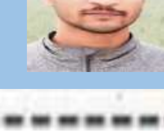

मुस्लिम जनरल वर्ग अब जाग गया, उन्हें कुछ राजनीतिक नेताओं के इरादों का पता भी चल गया है

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: वक्फ बोर्ड विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 14 बदलावों के साथ मंजूरी दे दी है और इसे विचार के लिए भेजा जाएगा। पिछले कुछ दिनों से विधेयक पर चर्चा की जा रही है। अंत में, 14 बदलावों वाला विधेयक आज संसदीय समिति को भेज दिया गया है। समिति द्वारा सुझाई गई 44 सिफारिशों को अस्वीकार कर दिया गया और शेष विधेयक समिति को भेज दिया गया। इस पर लंबे समय तक चर्चा हुई और विपक्ष इससे परेशान था। अब इसे बजट सत्र के दूसरे चरण में जोड़ा जाएगा। भेजा जाएगा। बजट सेशन का दूसरा फेज 10 मार्च से चार अप्रैल तक प्रस्तावित है. भाजपा के कई टॉप लीडरों ने दावा किया है कि इस सेशन के दौरान ही बिल पारित होने की संभावना है. जेपीसी की 655 पन्नों वाली इस रिपोर्ट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मेंबरों द्वारा दिए गए सुझाव शामिल थे. विपक्षी सदस्यों ने इसे असंवैधानिक करार दिया था और आरोप लगाया था कि यह कदम वक्फ बोर्डों को बर्बाद कर देगा.

भाजपा सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया था कि पिछले साल अगस्त में लोकसभा में पेश किया गया बिल वक्फ प्रोपर्टी के मैनेजमेंट में आधुनिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने की कोशिश करेगा. कमेटी ने भाजपा सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को स्वीकार कर लिया था और विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज कर दिया था. वक्फ (अमेंडमेंट) बिल, 2024 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने के बाद आठ अगस्त, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था. विधेयक का मकसद वक्फ प्रोपर्टी को विनियमित और प्रबंधित करने से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए वक्फ एक्ट, 1995 में संशोधन करना है.

गौरतलब है कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू अगस्त 2024 में लोकसभा में वक्फ विधेयक लेकर आए थे, जिसे पेश किए जाने के बाद जेपीसी को भेजा गया था। जेपीसी में बीजेपी और सहयोगी दलों के 16 सांसद थे, जबकि विपक्ष के 10 सांसद थे। 655 पन्नों की रिपोर्ट फरवरी महीने की शुरुआत में संसद के दोनों सदनों में पेश की गई थी। बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल और संजय जायसवाल ने लोकसभा में जेपीसी रिपोर्ट को पेश किया था। उन्होंने संयुक्त समिति के समक्ष दिए गए साक्ष्यों का रिकॉर्ड भी सदन के पटल पर रखा। राज्यसभा में मेधा कुलकर्णी ने जेपीसी रिपोर्ट को पेश किया था।

संसदीय पैनल ने रिपोर्ट को बहुमत से स्वीकार कर लिया, जबकि पैनल में शामिल विपक्षी दलों के सभी 11 सांसदों ने रिपोर्ट पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने असहमति नोट भी पेश किए थे। जेपीसी रिपोर्ट सदन में रखे जाने के समय इस पर काफी हंगामा हुआ था। विपक्ष के सदस्यों ने सरकार पर बड़े आरोप लगाए थे। उसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया था कि रिपोर्ट में विपक्ष के असहमति नोट को रखे जाने से कोई आपत्ति नहीं है।

मूल रूप से, वक्फ बिल भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के द्वारा रचा गया था। उन्होंने अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए जितनी तरकीबें चल सकती थीं, अपनाईं। वक्फ उनमें से एक है। कांग्रेस ने इस बिल के जरिए अल्पसंख्यकों को जितना खुश कर सकती थी, किया। वक्फ बिल पर किसी ने आपत्ति नहीं की क्योंकि यह कांग्रेस की ही संतान थी और इतने सालों से सत्ता में थी। इस बिल की आड़ में मुसलमानों ने इस देश पर बेहद अत्याचार किए। मुस्लिम संगठनों ने हिंदुओं की भूमि पर कब्जा कर लिया और भूमि पर दावा किया क्योंकि उस जगह पर मुस्लिम संगठन का कोई निशान नहीं था। यह वर्षों से चल रहा था, लेकिन इसके खिलाफ बहुत चिल्लाया गया और केंद्र में कांग्रेस सरकार और हिंदू जाग गए। परिणाम यह है कि वक्फ संशोधित संशोधन विधेयक अब पेश किया जा रहा है। वक्फ विधेयक में, विपक्षी दलों द्वारा सुझाई गई 44 सिफारिशों को खारिज कर दिया गया था, जबकि सत्तारूढ़ दलों द्वारा 14 सिफारिशें पारित की गई थीं। 2013 में, यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड की शक्ति में वृद्धि की थी। महिलाएँ, गरीब महिलाएँ आदि वक्फ बोर्ड की शक्ति बढ़ाने की माँग कर रही थीं, लेकिन सरकार ने कहा कि मुसलमान आम लोग नहीं हैं, बल्कि शक्तिशाली लोग हैं। इसलिए मोदी सरकार ने मुस्लिम वक्फ बोर्ड एक्ट में संशोधन करके उसे बदलने का विचार किया था। अब पहला कदम उठाया गया है। वह इसके खिलाफ अपील नहीं कर सकता था। केवल वक्फ बोर्ड ही अपील कर सकता था।

ऐसे में सवाल उठाया गया कि वक्फ बोर्ड कैसे न्याय करेगा। तदनुसार, कोई भी वक्फ बोर्ड के फैसले के खिलाफ अपील नहीं कर सकता था और न तो केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार बोर्ड के परिणामों में हस्तक्षेप कर सकती थी। अब यह स्थिति बदलेगी और अदालत वक्फ बोर्ड के फैसले को बदल सकती है। भारत में वक्फ की दौलत दुनिया में सबसे ज्यादा मानी जाती है। सटीक संख्या बताने के लिए, संपत्ति 200 करोड़ रुपये से अधिक है और केवल वक्फ बोर्ड के पास इस पर अधिकार क्षेत्र है। जो लोग वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करते हैं, वे भी अधिनियम के खिलाफ हैं। भले ही कांग्रेस यह बिल सिर्फ मुसलमानों को खुश करने के लिए लाई हो, लेकिन हर कोई इससे तंग आ चुका है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत में वक्फ की संपत्ति इतनी अधिक होने के बावजूद, केंद्र सरकार इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। वर्तमान कानून के तहत, वक्फ बोर्ड को अपनी संपत्ति जिला मजिस्ट्रेट को हस्तांतरित करनी होगी और नए विधेयक में यह प्रावधान होगा कि केवल मुसलमान ही वक्फ संपत्ति बना सकते हैं। पहले, यह मामला नहीं था, लेकिन अब एक बार जब कोई संपत्ति वक्फ बोर्ड के पास जाती है, संशोधित विधेयक में मुस्लिम महिलाओं को न्याय देते हुए गरीब मुसलमानों के लिए न्याय का प्रावधान है। पहले बोर्ड में केवल पुरुष थे, लेकिन अब महिलाओं को इसमें शामिल किया जाएगा। महिला सदस्य भी इसमें भाग ले सकती हैं। कुल मिलाकर, संशोधित विधेयक मुस्लिम महिलाओं को न्याय देते हुए गरीब मुसलमानों के लिए न्याय प्रदान करता है। केंद्रीय परिषद में भी महिलाएं शामिल होंगी। इसलिए कोई भी मनमानी नहीं करेगा। संशोधित वक्फ बोर्ड में एक स्वागत योग्य परिवर्तन यह है कि इसमें महिलाओं को शामिल किया गया है। अब संशोधित बिल को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इस पर काफी राजनीति चल रही है और असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिए जाने से काफी नाराज हैं। उनके अनुसार, विधेयक का उद्देश्य समानता का अधिकार छीनना है। दरअसल, मुस्लिम महिलाओं को अगर उस गुलामी के साथ न्याय दिया जाता है जिसमें वे इतने सालों तक रहीं तो पुरुष तंग आ चुके हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इसके खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है, लेकिन कुछ नहीं होगा। क्योंकि अब मुस्लिम वर्ग जाग चुका है और विपक्षी दल और स्वार्थी नेता कितना भी चिल्ला दें, मुस्लिम जनरल वर्ग अब जाग गया है और उन्हें कुछ राजनीतिक नेताओं के इरादों का पता चल गया है। वे उनका शिकार नहीं होंगे।

अब संशोधित बिल में विधेयक में किसी भी वक्फ संपत्ति के लिए जिला कलेक्टर कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने का प्रस्ताव है, ताकि संपत्ति का मूल्यांकन किया जा सके। इसमें ये भी कहा गया है कि 'इस अधिनियम के लागू होने से पहले या बाद में वक्फ संपत्ति के रूप में पहचानी गई या घोषित की गई कोई भी सरकारी संपत्ति वक्फ संपत्ति नहीं मानी जाएगी'। जिला कलेक्टर ये तय करने वाला मध्यस्थ होगा कि कोई संपत्ति वक्फ संपत्ति है या सरकारी भूमि और ये निर्णय अंतिम होगा। एक बार निर्णय लेने के बाद कलेक्टर राजस्व रिकॉर्ड में आवश्यक परिवर्तन कर सकता है और राज्य सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकता है। विधेयक में ये भी कहा गया है कि कलेक्टर की ओर से राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट पेश करने तक ऐसी संपत्ति को वक्फ संपत्ति नहीं माना जाएगा।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार, वसई पूर्व (मुंबई)

अधेड़ महिला से दुष्कर्म का आरोप, थाना में प्राथमिकी दर्ज

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (निरसा): चिरकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाली एक अधेड़ महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है, घटना का आरोप पीड़ित महिला का पड़ोसी शेरू खान के ऊपर लगा है, जो घटना को अंजाम देकर फरार हो चूका है. वहीं पीड़ित के लिखित शिकायत पर चिरकुंडा थाना पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है.

पीड़ित महिला ने बताया कि शुक्रवार को महिला घर में अकेली थी। घर के सभी सदस्य अपने-अपने काम से बाहर गए हुए थे। उसी दरमियान लगभग 2:00 से 2:30 के बीच, शेरू खान मेरे घर में घुसकर सामने का दरवाजा बंद कर दिया और मेरा मुंह दबाकर मेरे साथ दुष्कर्म किया और मेरा गला दबाने लगा, कहने लगा की अगर किसी को कहोगी तो जान से मार देंगे।

शाम को पीड़िता महिला के साथ उसके घर वाले, चिरकुंडा थाना, लगभग शाम 6:00 बजे आये, चिरकुंडा थाना के

थाना प्रभारी ने उन्हें दूसरे दिन 10:00 बजे आने के लिए कहा। यह कहकर की थाना में महिला सिपाही नहीं है।

दूसरे दिन पीड़ित महिला के साथ उसके परिवार के लोग साथ ही कुछ शुभचिंतक लोग चिरकुंडा थाना पहुंचे और दुष्कर्म का मामला दर्ज लगभग 11:00 बजे हुआ। इसके बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आई है इससे पहले भी क्षेत्र की एक महिला के साथ छेड़खानी की घटना को अंजाम दे चूका है, जिसकी लिखित शिकायत भी थाने मे की गई थी। पर समय पर शेरू खान के खिलाफ कार्रवाई नही होने के कारण उसका मनोबल बढ़ गया और उसने क्षेत्र मे दोबारा घटना को अंजाम दे दिया।

क्षेत्र के लोगों की अगर माने तो आरोपी शेरू खान इलाके की महिलाओं व युवतियों के ऊपर गंदी निगाहें रखता था, कभी -कभी तो ऐसा भी होता था की महिलाओं को अकेला देखकर इन डायरेक्ट गंदी -गंदी कॉमेंट भी पास कर देता था, महिलाएं भी यह सोंचकर चुप रह जाती थी की उसने उनपर डायरेक्ट कॉमेंट नही किया इसी का फायदा वह अक्सर उठाता रहता था, उसका वही फायदा आज कुछ इस कदर सामने आया है की पूरा क्षेत्र में आज उसके गंदे करूत से उसका दुश्मन बन चूका है और पुलिस को उसके सही ठिकाने पर पहुँचाने के लिये उसकी चप्पे -चप्पे पर तलाश रही है।

आईसीएआई बिलासपुर में नई कार्यकारिणी समिति का गठन, सीए मनीष सखूजा बने अध्यक्ष

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (बिलासपुर, छत्तीसगढ़): आईसीएआई की बिलासपुर शाखा द्वारा होटल ईस्ट पार्क में वार्षिक उत्सव मनाया साथ ही साथ नई प्रबंध समिति का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सीए मनीष सखूजा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सीए मंगलेश पांडे उपाध्यक्ष बने। सीए उदय चौरसिया को सचिव, सीए प्रखर बंसल को कोषाध्यक्ष, सीए मिली डे को सिकासा अध्यक्ष चुना गया, सीए अविनाश टुटेजा को कार्यकारी सदस्य बनाया गया। इन पदाधिकारियों ने शपथ ली।

हाल में ही सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल ऑफ़ द इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ़ इण्डिया की ओर से अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया था।

बिलासपुर ब्रांच को हाइली रिकमेंडेड ब्रांच ऑफ सीआईआरसी का अवॉर्ड दिया गया। इस अवार्ड को बिलासपुर के सभी मेंबर्स के सामने दिखाया गया। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में बिलासपुर सीए शाखा के सभी पूर्व अध्यक्ष एवं सीनियर मेंबर्स आदि थे।

जब धर्म को धारण करके धर्म किया जाता है, तब उसका लाभ मिलता है- बाबा उमाकान्त जी महाराज

धर्म के नाम पर या अपने नाम के लिए धर्म करते हैं, तो उससे लाभ नहीं मिल पाता है

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (उज्जैन): परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 26 फरवरी, 2025 को सतसंग सुनाते हुए कहा कि आज (शिवरात्रि) के दिन कोई शिव का विवाह करा रहा है, कोई झाँकी सजा रहा है, बारात लेकर जा रहा है, कोई शिवलिंग के ऊपर दूध बेलपत्र धतूरा इत्यादि चढ़ा रहा है। उसी में अपनी-अपनी भक्ति लोग दर्शा रहे हैं। भक्ति एवं धार्मिक भावना अच्छी होती है, जब धर्म को धारण करके धर्म किया जाता है, तब उसका लाभ मिलता है। लेकिन जब धर्म को समझ नहीं पाते और धर्म के नाम पर या अपने नाम के लिए धर्म करते हैं तो उससे लाभ नहीं मिल पाता है। फिर यही देवता जिनको पूजा पाठ, अनुष्ठान कर के ख़ुश किया जाता है, ये नाराज़ हो जाते हैं और दुःख देने लग जाते हैं।

शंकर जी को संहार का काम दिया गया है, लेकिन ये अवघड़ दानी भी कहलाते है

शंकर जी को संहार का काम दिया गया है, लेकिन ये अवघड़ दानी भी कहलाते है। जब खुश हो जाते है तब देने

में कोई कमी नहीं रखते हैं। मुंह माँगी चीज़ें लोगों को मिल जाती हैं, लेकिन तब, जब इनका दर्शन हो जाए, इनका साक्षात्कार हो जाए। अब इनका दर्शन कैसे होगा? जो रास्ता गुरु महाराज ने (नामदान/ सुरत शब्द योग साधना) बताया है या उनके बाद जो नए लोग हैं उनको बताया गया, उससे दर्शन मिलता है। और अंदर में जब दर्शन मिल जाएगा, उनको खुश कर दिया जाएगा, तब वह कोई चीज़ की कमी नहीं रखेंगे। जिनको इस चीज़ का पता नहीं है, वह कुछ दिखावे का और कुछ भाव-भक्ति, भावना में पूजा पाठ करते हैं, लेकिन वह निष्फल जाता है, उसका फल नहीं मिलता है। धार्मिक भावना तो बहुत जग रही है, धार्मिक तो लोग बहुत हो रहे हैं, लेकिन लोगों की तकलीफें बढ़ती चली जा रही हैं।

लोगों की तकलीफें क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

कारण यही है कि चंडी अपना काम कर रही है। लोगों के सिर पर बैठ कर के उनकी बुद्धि एवं खानपान ख़राब कर दे रही है। चंडी को मामूली मत समझो, चंडी तो अभी देखो क्या करिश्मा दिखाएगी। जो अपने को बहुत ज़्यादा धनी-मानी कहलाते हैं और बहुत परिश्रम कर के ज़िंदगी भर का धन इकट्ठा किया, वो तो मिनटों में ख़त्म करेगी। बड़े-बड़े राजनेता (देश-विदेश के) जो अपने को हीरो कहते हैं, वही आपको जीरो दिखाई पड़ेंगे, ऐसा वो (चंडी) काम कर देगी। वो बुद्धि ही भ्रष्ट करा देती है। अब बुद्धि भ्रष्ट क्यों करा पाती है? कारण उसका यही होता है कि ना तो उनकी आत्मा अपना रूप देख पाती है या अपने अंदर पावर ला पाती है और ना ही उनका शरीर इस लायक रहता है कि कोई भी पूजा पाठ करो तो ये खुश हो जाए। तो शरीर भी गंदा, शरीर से मन गंदा और फिर आत्मा के ऊपर वही गंदगी आ जाती है।

दर्जनों युवकों ने राजद का सदस्यता ग्रहण किया

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (निरसा): राष्ट्रीय जनता दल का सदस्यता अभियान को लेकर शुक्रवार को राजद के धनबाद युवा जिला अध्यक्ष राजेश मिश्रा उर्फ बिट्टू मिश्रा ने एगारकुंड प्रखंड अंतर्गत उत्तर पंचायत सचिवालय परिसर से सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया, जिसमें दर्जनों युवकों ने सदस्य ग्रहण किया।

वहीं जिला अध्यक्ष राजेश मिश्रा उर्फ बिट्टू मिश्रा ने कहा कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के आदेश अनुसार पूरे देश में सदस्यता अभियान चालू किया गया है। उसी को लेकर हम लोगों के द्वारा धनबाद जिले में भी सदस्यता अभियान जारी है।

मौके पर जिला अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा, प्रदेश प्रधान महासचिव (श्रमिक प्रकोष्ठ) सुनीता सिंह, धनबाद जिला प्रवक्ता शहजाद अंसारी, एग्यारकुंड प्रखंड अध्यक्ष गोविंद प्रसाद, मोहम्मद अमन अंसारी, मोहम्मद दानिश, मोहम्मद अरमान शेख, मोहम्मद मिंटू अंसारी, मोहम्मद मसूक अंसारी, मोहम्मद गुलजार हुसैन, मोहम्मद एहतेशाम आलम, मोहम्मद इमरान अंसारी, मोहम्मद जीशान अंसारी, मोहम्मद शोएब अंसारी, मोहम्मद इमरान अंसारी 2, मोहम्मद फहद अंसारी, मोहम्मद रिंकू अंसारी अन्य मौजूद थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए जॉब कार्ड वितरण शिविर आयोजित

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के राजगाँव पंचायत भवन में मुखिया संतोषी मुर्मू की अध्यक्षता व जिला परिषद सदस्य परवेज आलम की उपस्थिति में जॉब कार्ड वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

वहीं जिला परिषद सदस्य ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें पंचायत के लाभुकों का जॉब कार्ड विभागीय कर्मियों द्वारा हाथों-हाथ बना कर लाभुकों के बीच वितरण किया गया। इसके लिये लाभुकों का आधार कार्ड, फोटो और पासबुक की आवश्यकता है। मुखिया ने कहा कि वैसे सभी परिवार जो अब तक जॉब कार्ड से वंचित हैं, उनके लिये यह विभागीय शिविर एक सुनहरा अवसर है।

इस दौरान पंचायत रोजगार सेवक मिथिलेश कुमार, बीएफटी दिनेश कुमार, ऑपरेटर अंकित, शिवम, प्रशांत, मंटू, भाजपा नेता गौरव गुप्ता एवं पंचायत प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

ग्रामीणों की पानी की समस्या को लेकर अड़े दो मुखिया

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (निरसा): एग्यारकुण्ड प्रखंड अंतर्गत दो मुखिया अपने ग्रामीणों की पानी की समस्या को लेकर अड़े हुए हैं, जबकि गर्मी दस्तक देते ही पेयजल की समस्या शुरू हो गई हैं. मामला एगयारकुंड दक्षिण पंचायत का है, ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिलने के कारण शनिवार को एगयारकुंड प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचे और पानी की विकराल समस्या से प्रखंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल ओहदार को अवगत कराया,

श्री ओहदार ने समस्या को देखते हुए पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारी एवं एगयारकुंड उत्तर पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ के अध्यक्ष काकुली मुखर्जी एव एगयारकुंड दक्षिण पंचायत के मुखिया अजय राम को बुलाया और वार्ता किए, लेकिन वार्ता बे- नतीजा रहा,

मुखिया अजय राम का कहना है कि हमारे पंचायत के लगभग दो सौ परिवार को इस प्रचंड गर्मी में पानी नहीं मिल पा रहा हैं, सभी परिवार को लगभग एक से डेढ़ किलो मीटर पैदल चलकर पीने का पानी लाना पड़ रहा है, जबकि हमारे पंचायत में जलमीनार है, उस जल मीनार से चार पंचायतों को पेयजल आपूर्ति हो रही हैं, मगर हमारे पंचायत में चंद गिने चुने लोगों के घरों तक बड़ी मुश्किल से पानी मिल पा रहा हैं, जबकी उतर पंचायत में दोनों टाईम पानी मिल रहा हैं, अगर एक भेल लग जाए तो दोनों पंचायतों को पेयजल आपूर्ति होती रहेगी, परंतु काकुली मुखर्जी अपनी पद का दुरुपयोग करते हुए भेल लगाने पर विरोध जता रही हैं, जिसके कारण ग्रामीणों में काफी रोष हैं अगर जल्द से जल्द पंचायत को पानी नहीं मिलेगा, तो उग्र आंदोलन होगा।

वही मुखिया काकुली मुखर्जी का कहना हैं कि अगर पाईप में भेल लगा दी जाएगी तो हमारे पंचायत को पानी नहीं मिल पायेगा।पूर्व में भी दक्षिण पंचायत के मुखिया द्वारा बिना किसी के अनुमती से भेल लगाने का प्रयास किया गया था। जिसे रोका गया था। अगर भेल लगाया जायेगा और अगर मेरे पंचायत में पानी की किल्लत होगी तो मैं अपने ग्रामीणों के साथ कोई भी कदम उठाने को तैयार रहूंगी। जब इस मुद्दे पर पेयजल विभाग के अधिकारी सुमित सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि दक्षिण पंचायत के जलमीनार की क्षमता पांच हजार लीटर की है और प्रतिदिन तीन भरा जा सकता हैं।दो टाईम उत्तर पंचायत को पानी मिले और एक टाईम दक्षिण पंचायत को पानी मिलेगा। भेल लगाने से कोई दिक्कत नहीं होगा लेकिन मुखिया काकुली मुखर्जी राजी नहीं हैं दोनों मुखिया बैठकर इस मुद्दे का समाधान कर सकते हैं अन्यथा ग्रामीणों को पानी से जूझना होगा। नया जल मीनार स्वीकृति हो चुकी है लेकिन निर्माण होने में लगभग दो वर्ष लगेगा, पेयजल स्वच्छता विभाग पानी देने को तैयार है।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने पीएसयू सम्मेलन को संबोधित किया

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (नई दिल्ली): नई दिल्ली में आयोजित 11वे पीएसयू कॉन्फ्रेंस एक्सपो अवार्ड्स में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने अपने संबोधन में सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू) को राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाने के कार्य कलापों का बखान किया और कहा कि पीएसयू आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री ने पीएसयू सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पीएसयू और विभागीय नेतृत्वकर्ताओं को सम्मानित भी किया, जिन्होंने भारत की आर्थिक प्रगति और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अद्वितीय योगदान दिया है,

बिलकुल नया रोजगार

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: अखबार में छपा खास विज्ञापन गौर से देख रहा था कि छोटू पेड़ पर से टपकते पके फल की तरह आ टपका।
"बड़े गौर से क्या पढ़ रहे हैं भैया। क्या कोई खुशखबरी है? महंगाई कम हुई या पेट्रोल डीजल के दाम गिर गए या रेवड़ियां मध्यम वर्ग के लोगों में भी बांटी जाएंगी?"
"पहले सांस ले ले छोटू! बड़ी बड़ी उम्मीदें हैं तुझे? जो संभव नहीं इनके लिए ऐसी अपेक्षा का कोई मतलब है?"
सांस लेकर छोटू बोला
"आप कह रहे हैं तो ठीक ही कह रहे होंगे। बोलिए क्या पढ़ रहे थे?"
"एक विज्ञापन पढ़ा रहा था जिसमें लिखा है कि चाहिए एक भाषण लेखक जो विविध सभाओं के लिए विभिन्न विषयों पर, हर बार हर पैरा में विपक्ष को गालियां देता सा लिखे जिसमें नए नए शब्दों को ईजाद करने की क्षमता हो। भाषण में नए नए शब्द और शैलियां अपनाकर जनता में विपक्ष के प्रति घृणा और सत्ता पक्ष के प्रति संपूर्ण समर्थन का भाव भर सके, ऐसे लेखक की आवश्यकता है।
"नारे नए नए जैसे हम दो हजार चौदह से अब तक लगाते आए हैं ..सबका साथ सबका विकास, वसुधैव कुटुंबकम्, बटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं ऐसे और नए नए नारे पार्टी और कुर्सी को बूस्ट करते हुए लिखना होगा। मानदेय बड़ी राशि होगी जिससे आप एक हजार लीटर पेट्रोल या एक हजार दो सौ लीटर डीजल खरीद सकेंगे। इच्छुक लेखक संपर्क करें और फोन नंबर लिखा हुआ है।"
"भैया! मुझे यह ऑफर बहुत अच्छा लग रहा है। क्या पार्ट टाइम के लिए मिल सकेगा यह जॉब?"
"फोन कर लो शायद मिल जाए। लेकिन छोटू! तू नारे और भाषण उस तरह लिख सकेगा जैसे चाहते हैं?"
"भैया! पिछले दस सालों से टीवी पर भाषण लगातार फॉलो कर रहा हूं। मन की बात का तो मैं नियमित ग्राहक हूं, मेरा मतलब है श्रोता हूं।"
"थोड़ी थोड़ी योग्यता इस लेखन कर्म के लिए तेरी लग रही है छोटू! भाषण तक तो ठीक है लेकिन घोष वाक्य मतलब नारे या स्लोगन कैसे लिख पाएगा?"
"अबकी बार चार सौ पार की तर्ज पर जो फेंकेगा वो जीतेगा, अब हर बार पांच सौ पार, जुमलों पर जाइए रेवड़ियां खाइए, बोलेंगे हमेशा झूठ ही विपक्ष रहेगा ठूंठ ही, हो रहे पचहत्तर पार अब मत करना बंटाधार, जब तक हम सेफ हैं हमारा आयरन सेफ भी सेफ है, उल्लू बने लल्लू बनें डूब मरने के लिए चुल्लू बनें इत्यादि।"
"अरे छोटू! तो इतना टैलेंटेड है, मुझे पता नहीं था। पांच सौ पार को कुछ कम करो क्योंकि पांच सौ से कुछ ही ज्यादा हैं सीटें। चार सौ पार नहीं पहुंचे और तुम पांच सौ पार कर रहे हो?"
"नारे लिखने में क्या जाता है भैया? तो मैं इस जॉब के लिए फोन कर दूं ?"
"अब तेरी जैसी इच्छा। फोन कर ले।"

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

बोर्ड परीक्षा पारिश्रमिक दरें नहीं बढ़ाने पर संगठन ने जताई नाराजगी

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (शिवगंज): राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड निदेशक एंव सचिव को ज्ञापन भेजकर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उत्तर पुस्तिका जांच की राशि एंव विक्षकों की राशि बढ़ाये जाने मांग की। सूत्र गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने ज्ञापन में बताया की राज्यभर में माध्यमिक व उच्च माध्यमिक परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच का मानदेय पिछले तेरह वर्षों से क्रमशः 14 व 15 रूपये प्रति कॉपी को यथावत रखना शिक्षकों के साथ धोखा है। क्योंकि बोर्ड परीक्षा की फिस में भी इन तेरह वर्षों में 150 रूपये की वृद्धि हो चुकी है। पूर्व में 450 बोर्ड शुल्क था जो वर्तमान में 600 रूपये है। जब छात्रों से ली जाने वाली शुल्क में इतनी बढ़ोत्तरी हो चुकी है तो उत्तर पुस्तिका एंव विक्षकों के मानदेय में बढ़ोत्तरी क्यों नहीं हुई है। जबकि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कार्मिकों को बोनस के रूप में 35000/- रूपये की राशि दी जाती है तो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा 2025 के लिए घोषित पारिश्रमिक दरों को यथावतः रखना कतई उचित नहीं है।

गहलोत ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से 10वीं व 12 वीं बोर्ड उत्तर पुस्तिका राशि क्रमशः 20 व 25 रूपये करने परीक्षा केन्द्र कार्य के लिए केन्द्राधिक्षकों को 150 रूपये, अति. केन्द्राधिक्षक को 110 रूपये तथा विक्षक को 90 रूपये मानदेय दिया जाता है जो बहुत कम है, इन्हें भी दुगुना किये जाने की आवश्यकता जताई।

आदिवासी क्षेत्र अलीराजपुर में बाबा उमाकान्त जी महाराज के सानिध्य में पांच दिवसीय शाकाहारी सदाचारी प्रचार यात्रा

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (सेड़वा): विश्व को शांति मार्ग बताने वाले, लोगों को शाकाहारी सदाचारी ईश्वरवादी खुदा परस्त और देशभक्त बनने का संदेश देने वाले, विश्व विख्यात परम सन्त बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के उत्तराधिकारी, उज्जैन वाले परम पूज्य सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज के आदेश से देश-विदेश में शाकाहारी सदाचारी नशा मुक्ति गौ रक्षक रैली निकाली जा रही है।

इसी क्रम में अलीराजपुर जिले के सेड़वा में बाबा जी के भक्तों द्वारा जगह-जगह शाकाहारी नशा मुक्ति का प्रचार करते हुए पर्चे बांटे गए एवं आगामी होली पर उज्जैन

आश्रम पर प्रस्तावित सतसंग व नामदान कार्यक्रम का भी प्रचार किया गया। गुरु महाराज का संदेश देते हुए प्रचारकों ने बताया कि आगे का समय बहुत ही खराब दुःख तकलीफ बीमारीयों का आ रहा है। यदि लोग शाकाहारी सदाचारी हो जाएंगे उनकी बचत हो जाएगी। जयगुरुदेव नाम खुद गॉड भगवान परमात्मा का है। बाबा उमाकांत जी महाराज ने कहा कोई भी शाकाहारी सदाचारी व्यक्ति मुसीबत के समय दस बार जयगुरुदेव नाम बोलकर के मदद ले सकता है।

क्यों दें हम उन्हें कुर्सी

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: सुखः दुःख, लाभ, हानि आदि ये तो जीवन में उतार-चढ़ाव आतें ही रहेंगे। अतः हम विषम परिस्थितियों में भी सम रहतें हुवें, सुखः में अति उत्साहित न हों और दुःख में अति हताश न हों। दोनों ही परिस्थितियों में सम रहतें हुवें हँसी-खुशी अपनी जिंदगानी जीते रहे। क्योंकि हमारा जीवन हमेशा एक जैसा नहीं रहता है। इसमें बदलाव आते ही है। सुख और दुख का आना-जाना लगा ही रहता है। जिस प्रकार रात के बाद सुबह होती है उसी प्रकार दुख के बादल छट जाते है और खुशी के दिन आते हैं। रात दुख का प्रतीक है और दिन सुख का जिस तरह पानी दो किनारों के बीच बहते हुए आगे बढ़ता है, उसी तरह जीवन में सुख और दुख दो किनारे हैं, जीवन इन्ही के बीच चलता है। एक निराशावादी हर अवसर में कठिनाई देखता है। एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता हैं। जीवन का सुंदर स्वरूप हम किसी भी प्रकार से देख सकते है और उसे मनचाहा आकार दे सकते है। जीवन रूपी समरांगणम् में पतझड़ और बसंत आते रहेंगे, हंस-हंस सहते हर विपदा में हम वीर कहलायेंगे। सुख का रथ रुक जाए चाहे घोर निराशा में और दुख के बादल छाए पर जीवन का हर क्षण हमारे प्रयास रूपी जल के झरने समान बहता जाए। क्योंकि सावधानी रखने के बावजूद टूटी हुई जीवन डाली को विनय-विवेक की अमृत प्याली से हमको सींचना है। हर अवसर में विश्वास के श्रेयस्कर सिद्धान्तों से आगे बढ़ाना है। अतः हमें किसी भी तरह की विपदाओं से कठिनाईयो से हार से हताश हुवें बिना, बिना रुके दुगुने उत्साह से अपनी मंजिल की तरफ कदम बढ़ाते रहना चाहिए। संयत रह कर उसका सामना करना चाहिए। उसका स्वागत झट से कुर्सी दे कर न करें। अगर हम ऐसा करेंगे तो हमसे कोई हमारी खुशी, हमारी हँसी कभी नहीं छीन सकता हैं। फिर देखें मंजिल (विजय) जीत, सफलता हमारें क़दमो में होगी।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

भारत या महाभारत

आज फिर महाभारत हो रहा है
नैतिकता अपना वजूद खो रहा है
सबको जागते रहो कहते कहते
द्वारपाल गहरी नींद सो रहा है

आजकल हर जगह चीर हरण
दोहराया जा रहा है
धृतराष्ट्र मोह में सिंहासन के
तटस्थ देखा जा रहा है

कौरव लगातार बढ़ रहे हैं
पांडवों की गिनती पांच से घट रही है
कुरुक्षेत्र बना जग सारा
शकुनियों के चंगुल में
अश्वत्थामाओं के अंध क्रोध में
अपना अस्तित्व बचाने की कोशिश में है

द्रौपदियां कृष्ण की प्रतीक्षा में
सरे आम नग्नता ओढ़े बेसुध पड़ी हैं
अभिमन्यु चक्रव्यूह भेदना छोड़
लक्ष्य की तलाश में भटक रहा है

हर जगह दुश्शासन के हाथ
हुए जा रहे है लंबे
दुर्योधन का विकटाट्टहास गूंज रहा है
अपनी प्रतिध्वनियों के जंगल में
युद्ध नहीं, रचा जा रहा है षडयंत्र
उचार रहे हैं सभी नैतिकता का मंत्र
त्रिशंकु सा लटकता जनमानस
प्रतीक्षित है आशावादी परिणामों पर

न जाने कब द्वारपाल की तंद्रा टूटेगी?
कब धृतराष्ट्र का सिंहासन मोह छूटेगा?
कब बढ़ेगी पांडवों की संख्या?
कौरव सारे कब युयुत्सु बनेंगे?
कब छूटेगा कुतंत्रों भरा दुर्योधनीय शासन?
कब मारा जाएगा भीम के हाथों दुश्शासन?

डॉ टी महादेव राव
कोलफील्ड मिरर

कितनी तुम खूबसूरत हो

कितनी तुम खूबसूरत हो, ना पूछो बात यह तुमसे।
हमारा देखो तुम यह प्यार, कितना हम करते हैं तुमसे।।
कितनी तुम खूबसूरत हो-----।।

नहीं मालूम यह हमको, और है कौन यहाँ ऐसा।
जिसको हम इतना चाहे, तुमको हम चाहते हैं जैसा।।
हमारी देखो ये नजरें, कहो मिली है यहाँ किससे।
कितनी तुम खूबसूरत हो-----।।

देखा है शर्माते तुमको, हमने कई बार चिलमन में।
अदा भी कुछ ऐसी है, हमारा दिल है उलझन में।।
शरारत देखो तुम अपनी, झगड़ती हो क्यों हमसे।
कितनी तुम खूबसूरत हो-----।।

समझती हो तुम शायद, हम है शौकीन कलियों के।
दिले हरजाई है हम तो, आवारा तेरी गलियों के।।
बेगाना चाहे तुम मानो, नहीं हम बेवफा तुमसे।
कितनी तुम खूबसूरत हो-----।।

करीब आवो हमारे तुम, सुनों धड़कन तुम दिल की।
करो जी भरकै हमसे प्यार, कहो मुश्किल तुम दिल की।।
लबों की प्यास तुम देखो, बुझाने दो तुम ऐसे।
कितनी तुम खूबसूरत हो-----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

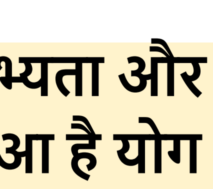

हमारी संस्कृति, सभ्यता और तहज़ीब से जुड़ा हुआ है योग

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: योगा एक पुराना फन है, हुनर है, वादिए शिंद की (सभ्यता) तहजीब की तलाश में एक खुदाई के दौरान कई मुर्तियां मिली जो पांच हजार वर्ष पुरानी थी। जिन पर योगा के विभिन्न अदाज थे, अमेरिका युरोप में भी योगा के फायदों से प्रभावित होकर अपनी स्कूलों में एक पाठ के रूप में बढ़ाया जाता है। हिन्दूग्रंथ उपनिषद जो आठसौ वर्ष पूर्व लिखी गई थी। उसमें भी योगी के बारे में विस्तृत वर्णन पाया जाता है। लोक गीतों भारतीय मजहब और तहजीब के साथ योगा का बहुत गहरा ताल्लुक है। यह पुराने जमाने से ही हमारी संस्कृति का अहम अंग रहा है। योगा संस्कृत भाषाका शब्द है। जिसका मतलब है काबू पाना। योगाकेजरिए ना सिर्फहम शारीरक रूप से फिट रहते हैं, बल्कि जहनी और जज्बाती तौर पर भी शख्सियत बेलेंस में रहती है। योगा की मदद से हम अपनी जिन्दगी को खुशगवार बना सकते हैं। योगा के जरिए हम अपनी फीटनेस बरकरार रख सकते हैं। वजन में कमी और थकान से निजात पाना भी आसान हो जाता है। योगा करने से पहले हमें किसी भी काबिल योगा एक्सपर्ट से सलाह एवं मार्गदर्शन ले लेना चाहिए। योगा की जगह साफ-सुथरी होनी चाहिए एवं कपड़े डीले डाले होने चाहिए। योगासन सुबह के नास्ते से पहले खाली पेट किया जाना चाहिए। योगा के बाद नियमित रूपसे आधा घंटे बाद पौष्टिक भोजन एवं दूध पिया जा सकता है। योगा शाम को भी किया जा सकता है। आइए आपको गौमुखासन के सम्बंध में बताते हैं। यह आसन छाती, फेफड़ोव हृदय को सुदृढ़बनाता है और इसलिए यह आसन दमावश्वसनसंबंधी समस्याओं में लाभकारी होता है। यह आसन ऊपरी बांह को पीठ तथा जांग को मजबूत बनाता है। गोमुखासन करने का तरीका भूमि पर सीधे तनी अवस्था में बैठे, दोनों पैर सामने सीधे रखे, बाएं पैर को मोड़कर एड़ी नितम्व के पास रखे अथवा एड़ी पर बैठसकते है, इसी प्रकार दाएं पैरको मोडकर बाये पैर के ऊपर इस प्रकार रखे कि दोनों घुटने एक दूसरे से स्पर्श करते हुए हो। दाई ऐड़ी को बाएं तिम्ब के साथ मिलाए, अब दायें हाथ को ऊपर उठाकर पीठ की ओर मोड़िए तथा बायें हाथ को पीठ के पीछे से लेकर हाथ को पकड़िए कुछ सेकण्ड के लिए इसी अवस्था में रहे। जब तक कि आप इसे आराम से कर सकें। गर्दन व कमर सीधी रखें, अपने हाथों व पैरों की स्थिति को बदलकर इस प्रक्रिया को दोहराएं। योग करने से किसी भी प्रकार का रोग, तनाव, अनिन्द्रा और छोटी-मोटी से बिमारी से बचा जा सकता है। योगासन करें और रखें अपने आपको चुस्त दुरुस्त, और सेहतमंद।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित हुई मुस्कान केशरी

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: मुजफ्फरपुर बिहार की बेटी सुश्री मुस्कान केशरी, विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। इसका ही प्रमाण है भारत के अलग अलग जगहों से इन्हें सम्मानित किया जा रहा है। अभी हाल में ही गोण्डा उत्तरप्रदेश की शांति फांउडेशन द्वारा सावित्रीबाई फूलो नेशनल अर्वाड, अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी गौरव सम्मान और स्वामीविवेकानंद प्रतिभा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। वूमन पावर फांउडेशन जयपुर राजस्थान द्वारा नारी वंदन सम्मान से सम्मानित किया गया। मुजफ्फरपुर बिहार में पं भूरामल शर्मा जी की जयंति पर सम्मानित किया गया। पश्चिम बंगाल की सोवा जीव कल्याण ट्रस्ट द्वारा सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। पटना की सत्यम् शिवम् सुदंरम् द्वारा विवेकानंद शिक्षक सम्मान देकर सम्मानित किया गया। बिहार कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा सम्मानित किया गया। राष्ट्र लोक निर्माण पार्टी मुजफ्फरपुर द्वारा सम्मानित किया गया व कर्पूरी ठाकुर की जयंति पर सम्मानित किया गया। सुपौल बिहार की युवा संगम द्वारा विवेकानंद राष्ट्रीय आध्यात्मा सम्मान से सम्मानित किया गया। पुपरी सीतामढ़ी में सम्मानित किया गया। जननायिका सरला श्रीवास द्वारा सम्मानित किया गया। आइकन प्लाजा में सम्मानित किया गया। बेगूसराय साहित्यिक महाकंभु में सम्मानित किया गया। पंजाब की संस्था द्वारा मिसाल ऐ भारत अर्वाड देकर सम्मानित किया गया। भागलपुर से कर्ण पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पटना में राष्ट्रीय महिलाशक्ति सम्मान देकर सम्मानित किया गया। नीरव साहित्य परिषद् द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। और अनेकों सम्मानों से सम्मानित किया गया। इसके अलावा भारत के अलग अलग जगहों से मुस्कान केशरी जी को आमंत्रित किया गया है, और उनके द्वारा चलाए जा रहे निशुल्क साहित्यिक पब्लिकेशन द्वारा कई पुस्तकों को प्रकाशित किया गया। जिसमें सबसे अधिक लोकप्रियता हासिल करने वाली पुस्तकें रही वीणावादिनी माँ सरस्वती स्तुति संग्रह, राशन की दुकान, आशा पल्लव, स्याही के सुमन, साहित्य संगम, शिक्षक संगम, मेरी डायरी (तुम्हारे जाने के बाद), सृजन की अग्रणी महिलाएँ: महिलाओं का अद्वितीय योगदान, रंगारंग जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य। प्रामन्द जोगेश जी को सौलहा हजार की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई। इसके साथ ही साथ दो राष्ट्र स्तरीय कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुस्कान केशरी जी एक प्रतिभावान बिहार की बेटी है इसलिए इन्हें Youth ICON माना जाता है। मुस्कान केशरी जी से जोड़ने हेतु सम्पर्क करें 6203124315

भोला केहि विधि पूजूं तोय

एक भील ने यह मन ठानी,चिता भस्म चढ़ाने शिव पर
चला ढूंढ़ने घाट घाट पर, दिखा न कोई शव मरघट पर
सोचा ढूंढूं अपने वन में, नर शिकार हुआ यदि कोई
कहां भस्म चिता की पाऊं, करूं उपाय बताए कोई
कोई नहीं दिखाई देता, तुम्हीं बताओ मोय,
भोला केहि विधि पूजूं तोय।1।
पूजन विधि मोय आवत नाहीं,चिता भस्म ढूंढ़ वन माहीं
ग्यारह दिवस बीत गए ढूंढ़त, भस्म कहीं मोय दीसत नाहीं
जंगल छान लियो फिर भी ,चिता मिली नहिं मोय
,भोला केहि विधि पूजूं तोय ।2।
देख उदास भीलनी बोली ,चिता बनाइ करो तैयारी
प्राण होम मेरी भस्म बनाओ,करो प्रशन्न जाय त्रिपुरारी
मन संकोच न होय ,बोला केहि विधि पूजूं तोय।3।
चंड भील ने चिता बनाई, उसमें जली भीलनी जाई
नमः शिवाय शक्ति के बल पर, नारी तनिक आंच नहिं आई
ले भस्म चंड शिवालय पहुंचा, शिव लिंग जाइ चढ़ाई
भए प्रशन्न भोले तब बोले मांग लेउ जो भी मन भाई
जिस पर कृपा शिवा की होय,मार सके नहिं कोय
भोला केहि विधि पूजूं तोय।4।
भए प्रशन्न भोले भंडारी, पत्नी चिता से जिंदा आई
मिलन चंड को भयो प्रिया से,मन ही मन हरसाई
मृत्यु लोक के देव हमारे पूजूं नित मैं तोय
भोला केहि विधि पूजूं तोय।5।
दो लोटा जल लिए हाथ में,दोउ मिल रहे चढ़ाय
संयम नियम से नित उठ दोनों भोला पूजन जांय
जो नर सुबह शिवालय जावें,लोटा भर जल शिवहिं चढ़ावें
बिगड़े काम बनेंगे उनके, कभी न मन में संशय लावें
ऐसे भोले औघड़ दानी,नित जल अर्पण तोय
भोला इस विधि पूजूं तोय।6।

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
ग्वालियर
कोलफील्ड मिरर

ट्रंप की अमेरिकी फर्स्ट की ज़बरदस्त घेराबंदी-यूएन वोटिंग में रूस का साथ-यूरोपीय यूनियन दंग-यूक्रेन धड़ाम-खनिज़ संपादा देने पर राज़ी!

यूएन में अमेरिका ने रूस का साथ देकर दुनियाँ को चौंकाया-आखिर झुक गया यूक्रेन?- क्या रूस भी मोहरा बना?

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च (गोंदिया): वैश्विक स्तपर भारतीय कहावतें पूरी दुनियाँ सहित युद्ध पीड़ित देशों पर भी लागू हो रही है जो अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत होने के बाद जिधर दम उधर हम,जिसकी लाठी उसी की भैंस, मेरी मुर्गी की एक टांग, जहां हम खड़े होते हैं वहीं से लाइन शुरू होती है, इत्यादि अनेक कहावतें एक झटके से लागू हो रहे हैं! जी हां हम बात कर रहे हैं अमेरिका में ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही सबसे पहले उन्होंने चुनावी सभा में किए गए वादों को पूरा करने की झड़ी सी लगा दीहै अवैध प्रवासी को बाहर का रास्ता, टैरिफ लगाना, यूक्रेन रूस युद्ध को समाप्त करवाने की प्रक्रिया शुरू करने के बाद अब अमेरिकी फर्स्ट, की तर्ज पर अर्थव्यवस्था में भारी सुधार के नाम पर रूस से बातचीत को मोहरा बनाकर यूक्रेन से खनिज संपत्ती लेना जो एक तरह का यूक्रेन को युद्ध में साथ देने की फीस है पनामा से नहर को लेना इत्यादि अनेक सुधारो की एक झड़ी सी लग गई है तो उधर यूरोपीय संघ को अलग-अलग करने की भी गुंजाइश दिख रही है, जिसे यूरोपीय यूनियन भी दंग है,वह अमेरिका से अलग-थलग यूक्रेन के साथ शिखर सम्मेलन हो रहे हैं उधर अमेरिका संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन मुद्दे पर रुस के पक्ष में वोटिंग कर दुनियाँ को चौंका दिया है। मेरा मानना है कि इन सब नीतिओं रणनीतियों के पीछे पनामा से नहर, यूक्रेन से खनिज संपदा व अनेक देशों से टैरिफ के रूप में भारी मात्रा में धन् इकट्ठा कर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत व अपने अमेरिकी फर्स्ट की विचारधारा व लक्ष्य यानें विज़न को आगे बढ़ाना है इन सब के बीच पूरी दुनियाँ की नजरे ट्रंप जेलेंस्की की शुक्रवार को हो रही बैठक पर लगी हुई है। चूँकि यूएन में अमेरिका ने रूस का साथ देकर दुनियाँ को चौकाया है, आखिर झुक गया ही रूक्रेन, क्या इस पूरी प्रक्रिया में रुस भी मोहरा बन गया? तथा अमेरिकी फर्स्ट के आगे यूक्रेन ने घुटने टेके? अमेरिका से खनिज संबंधी शर्त पर सहमति कर शुक्रवार को वाशिंगटन में बातचीत होगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट की जबरदस्त घेराबंदी, यूएन में रूस का साथ, यूरोपीय यूनियन दंग,यूक्रेन धड़ाम,खनिज संपदा देने पर राजी हो गया है!

साथियों बात अगर हम 25 फ़रवरी 2025 को संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन मुद्दे पर चुनाव में अमेरिका ने रूस को साथ देने की करें तो,अमेरिका के एक कदम से यूक्रेन और राष्ट्रपति जेलेंस्की को बड़ा झटका लगा है। संयुक्त राष्ट्र के तीन प्रस्तावों पर मतदान के दौरान अमेरिका रूस के साथ खड़ा नज़र आया। यूएन में यूरोपीय संघ और यूक्रेन की ओर से रूस के हमले की निंदा से जुड़ा एक प्रस्ताव पेश किया गया था लेकिन, अमेरिका ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। अमेरिका के इस कदम से यूएस और यूरोप के संबंधों पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका है, दोनों के रिश्तों में थोड़ी तल्खी भी आई है।इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका के बदलते रुख ने एक नया संदेह को भी जन्म दे दिया है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 93, विपक्ष में 18 और 65 मतों के साथ पारित किया गया।बता दें रूस और यूक्रेन में बीते तीन साल से जारी युद्ध को खत्म करने की मांग करते हुए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव पेश किया गया था, प्रस्ताव में रूस की आक्रामकता की निंदा की गई थी और रूसी सैनिकों की तत्काल वापसी की मांग की गई थी, संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका और रूस ने यूरोप समर्थित यूक्रेन के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था इसके बाद अमेरिका ने अपने प्रतिस्पर्धी प्रस्ताव पर मतदान से खुद को अलग कर लिया था। अमेरिका की इस नीति से यूक्रेन को जोरदार झटका लगा है।संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य देश अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस के पास वीटो की शक्ति है। 15 सदस्यीय परिषद में शून्य के मुकाबले 10 वोट से मतदान हुआ और पांच देश मतदान से दूर रहे। ये सभी यूरोपीय देश थे। अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने संघर्ष के जल्द से जल्द समाधान के लिए रूस के साथ अचानक बातचीत शुरू की जिससे यूक्रेन के साथ अमेरिका के रिश्ते में तल्खी आई है, यूरोपीय नेता भी इस बात से निराश हैं कि पिछले सप्ताह उन्हें और यूक्रेन को रूस के साथ प्रारंभिक वार्ता से बाहर रखा गया था।मीडिया में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक मतदान में महासभा ने यूक्रेन को लेकर प्रस्ताव पर 18 के मुकाबले 93 मतों से मंजूरी दी, जबकि 65 सदस्यों ने मतदान नहीं किया था इसके कारण यूक्रेन के लिए समर्थन कम होता दिख रहा है, क्योंकि पिछले मतदान में 140 से अधिक देशों ने रूस के हमले की निंदा की थी और उससे तत्काल सैनिकों की वापसी की मांग की थी। इसके बाद सभा ने रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान हुई आम लोगों की मौत संबंधी अमेरिका के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।प्रस्ताव में संघर्ष को जल्द खत्म करने और यूक्रेन-रूस के बीच स्थायी शांति की अपील की गई थी , हालांकि इसमें रूस की आक्रामकता का कहीं भी जिक्र नहीं किया गया था।बता दें, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध बीते करीब तीन सालों से जारी है। रूस लगातार यूक्रेन के शहरों पर हमला कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका सहित यूरोप के कई देशों से मदद की मदद ले रहे हैं, हालांकि अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद नये शासक ट्रंप की यूक्रेन-रूस को लेकर नीतियों में थोड़ा बदलाव आया है, जिसकी बानगी मतदान के दौरान भी नजर आई थी।

साथियों बात अगर हम अमेरिका यूक्रेन में खनिज संपदा आर्थिक समझौते पर यूक्रेन के झुकाने की करें तो, यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के साथ एक रूपरेखा आर्थिक समझौता तैयार है, लेकिन रूस के साथ युद्ध में कीव के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाली अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर अभी फैसला होना बाकी है और पूर्ण समझौता शुक्रवार को वाशिंगटन में होने वाली वार्ता पर निर्भर करेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा है किजेलेंस्की शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए अमेरिका आएंगे। ट्रंप ने बुधवार को अपनी पहली कैबिनेट बैठक की शुरुआत में यह घोषणा की।जेलेंस्की ने कीव में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिस रूपरेखा समझौते पर सहमति बनी है, वह एक व्यापक समझौते की दिशा में एक प्रारंभिक कदम है, जिस पर यूक्रेन की संसद की मंजूरी की जरूरत होगी। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को पहले यह जानना होगा कि अमेरिका अपने निरंतर सैन्य समर्थन के मामले में कहां खड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ व्यापक बातचीत की उम्मीद है। उन्होंने कहा,यह (आर्थिक) समझौता भविष्य की सुरक्षा गारंटी का हिस्सा हो सकता है, लेकिन मैं व्यापक दृष्टिकोण को समझना चाहता हूं। पिछले महीने राष्ट्रपति पद संभालने के बाद से ट्रंप ने यूक्रेन को बता दिया कि वह रूस द्वारा तीन साल पहले 24 फरवरी, 2022 को शुरू किए गए आक्रमण को रोकने के लिए अमेरिका से अरबों डॉलर की मदद के बदले में कुछ चाहते हैं।व्हाइट हाउसके एक अधिकारी ने बुधवार को फिर से स्पष्ट किया कि समझौते को स्वीकार करना शुक्रवार को जेलेंस्की को मिलने के लिए ट्रंप के निमंत्रण की एक आवश्यक शर्त थी। जेलेंस्की ने कहा,'यह समझौता या तो बहुत सफल हो सकता है या चुपचाप खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि सफलता राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हमारी बातचीत पर निर्भर करती है। मैं अमेरिका के साथ ट्रांसपेरेंसी के साथ समन्वय करना चाहता हूं।

साथियों बात अगर हम रुस को मोहरा बनाकर यूक्रेन पर दबाव बनाकर खनिज संपदा हथियाना व उन खनिजों को जानने की करें तो, जब से ये खबर आई है किट्रंप दुर्लभ खनिजों के लिए यूक्रेन से डील करने जा रहे हैं, तब से दुनियाँ भर में हलचल है, ट्रंप ने पहले तो दुत्कारा और रूस को पुचकारा, फिर ये डील! वो भी रेयर अर्थ मिनरल्स के लिए! ये न सिर्फ दुर्लभ है बल्कि बेशकीमती भी हैँ जिसके पास ये है उसकी इकॉनमी भी कुलांचे भरेंगी, तो आखिर ये है क्या? रेयर अर्थ मिनरल्स 17 रासायनिक रूप से समान तत्वों का एक समूह है, जो पृथ्वी की पपड़ी में पाए जाते हैं। इन्हें अक्सर एक साथ रखा जाता है क्योंकि इनकी विशेषताएँ मिलती-जुलती हैं, ये तत्व आधुनिक तकनीकों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,जैसे कि इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, और रक्षा प्रणालियाँ! 17 रेयर अर्थ तत्वों में शामिल हैं: लैंथेनम, सेरियम, प्रसी ओडाइमियम, सी नियोडाइमियम प्रोमेथियम, समेरियम, यूरोपियम, गैडोलिनियम, टर्बियम, डिस प्रोसियम, होल्मियम, एर्बियम, थुलियम यिट्रबियम, लुटेटियम, यिट्रियम, (इसे अक्सर रेयर अर्थ तत्व माना जाता है, हालांकि यह लैंथेनाइड श्रृंखला का हिस्सा नहीं है)अब सवाल उठता है कि अमेरिका क्यों चाहता है यूक्रेन से ये निकाला जाए, इसके कई कारण हैं (1) अमेरिका अपनी आपूर्ति के लिए अलग-अलग देशों पर निर्भर होना चाहता है। अभी, चीन दुनिया को सबसे ज़्यादा दुर्लभ धातुएँ देता है। इससे अमेरिका को चिंता है कि चीन इन धातुओं की कीमतें बढ़ा सकता है या उनकी सप्लाई रोक सकता है। (2) अमेरिका और चीन के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है। इसलिए अमेरिका अपनी ज़रूरत की चीज़ें खुद बनाना चाहता है। यूक्रेन में बहुत सारी दुर्लभ धातुएँ हैं और वह अमेरिका का साथ दे सकता है। (3) यूक्रेन में बहुत सारी दुर्लभ धातुएँ हैं लेकिन उनका इस्तेमाल नहीं हो रहा है। अमेरिका यूक्रेन को इन धातुओं को निकालने में मदद कर सकता है। इससे यूक्रेन की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और अमेरिका को धातुएँ भी मिलेंगी। (4) दुर्लभ धातुओं का इस्तेमाल नई तकनीकों जैसे सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ और कंप्यूटर बनाने में होता है। अमेरिका को डर है कि अगर उसे ये धातुएँ नहीं मिलीं तो वह नई तकनीक नहीं बना पाएगा। (5) रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है। अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। दुर्लभ धातुओं के व्यापार से यूक्रेन की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और वह रूस से लड़ने में सक्षम होगा।इस तरह, अमेरिका यूक्रेन को दुर्लभ धातुओं का एक नया स्रोत मानता है। इससे अमेरिका को अपनी ज़रूरत की धातुएँ मिलेंगी और यूक्रेन को भी उसमे बहुत मदद मिलेगी।

साथियों बात अगर हम यूरोपियन यूनियन की स्थिति की करें तो, इन यूरोपीय शक्तियों का कहना है कि हमारा साझा उद्देश्य यूक्रेन को एक मजबूत स्थिति में लाने का होना चाहिए। ताकि यूक्रेन को एक मजबूत सुरक्षा गारंटी प्रदान की जा सके। साथ ही वहां एक न्यायसंगत स्थायी शांति ट्रांस अटलांटिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। यूरोपीय देशों ने एक सुर में कहा है कि अमेरिकी सहयोंगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलना चाहती हैं। इस मामले में फ्रांस के विदेश मंत्री ने बुधवार को ब्रिटेन, जर्मनी, पोलैंड, इटली, स्पेन, यूक्रेन और यूरोपियन कमीशन के साथ बैठक की। इस बैठक में सभी इस नतीजे पर पहुंचे कि यूक्रेन को लेकर यूरोपीय देशों की भागीदारी के बिना किया गया कोई भी फैसला स्थायी शांति नहीं ला सकेगा। वहीं जर्मनी ने इस मामले में यूरोपीय यूनियन से एकजुट होने का आह्वान किया है। स्पेन का कहना है कि हम लोग चाहते हैं कि यूक्रेन में शांति हो, लेकिन अन्यायपूर्ण तरीके से शुरू हुआ ये युद्ध न्यायपूर्ण तरीके से समाप्त होना चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप की अमेरिकी फर्स्ट की ज़बरदस्त घेराबंदी-यूएन वोटिंग में रूस का साथ-यूरोपीय यूनियन दंग-यूक्रेन धड़ाम-खनिज़ संपादा देने पर राज़ी!यूएन में अमेरिका ने रूस का साथ देकर दुनियाँ को चौंकाया-आखिर झुक गया यूक्रेन?- क्या रूस भी मोहरा बना?अमेरिकी फर्स्ट के आगे यूक्रेन ने घुटने टेके-अमेरिका से खनिज़ समझौते पर सहमत- शुक्रवार को वाशिंगटन में बातचीत।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

बदलते मौसम में बीमारियों से बचाव करें

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: सुबह के वक्त ठंडी हवा, दिन में गर्मी और शाम होते-होते फिर ठंड। यह बदलता मौसम आपको बीमार कर सकता है। मौसम में परिवर्तन अपने साथ अनेक बीमारियां लेकर आता है। इस संधि काल में सावधान रहने की जरूरत होती है, खास तौर पर बच्चे और बूढ़े इस दौरान अधिक बीमार पड़ते हैं। वजह यह है कि तापमान में हुए बदलाव के प्रति शरीर को ढलने के लिए समय की जरूरत होती है। इन दिनों देखने में आ रहा है कि जो मौसम में बदलाव की बयार शुरू हो गई है उसमें दिन में तेज व हल्की गर्मी भी महसूस होने लगी है। परंतु बीच-बीच मौसम बदलने और बारिश होने की वजह से ठंड का अहसास अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। यही वजह है कि इस बदलते मौसम में लोग जुकाम, बुखार, बदन दर्द, सिर दर्द, आंखों में जलन, पेट दर्द, फ्लू और एक्जिमा जैसी कई बीमारियों का शिकार होने लगे हैं। इस मौसम में बीमारियों का उन लोगों को ज्यादा खतरा रहता है, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता पहले से कमजोर होती है। ऐसे में जरूरत है कि बदलते मौसम के अनुसार, जीवन-शैली में कुछ बदलाव किए जाएं।

हमारे देश में तापमान में बदलाव काफी तेजी से होता है। पूरे साल भर में 24 घंटे के दौरान 20 से 25 डिग्री का अंतर पाया जाता है। इसका सबसे अधिक प्रभाव दमा के रोगियों पर पड़ता है। तेज ठंड के बाद जब मौसम बदलता है तब तापमान में आए बदलाव के कारण अस्थमा के मरीजों को दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। दरअसल, बदलते मौसम में ठंडी हवाओं की वजह से शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। इसकी वजह से आपको बुखार, खांसी और फ्लू की समस्या हो सकती है। इस मौसम में बीमारियों का जोखिम कम करने के लिए आपको अपनी डाइट का खास ख्याल रखना चाहिए।

मौसम का बदलाव हमारे शरीर पर कई तरह से प्रभाव डालता है। जब सर्दी से गर्मी में आते है, तो इस बदलते मौसम में सेहत प्रभावित होने लगती है। साथ ही, मच्छर मक्खी, बैक्टीरिया और वायरस बढ़ जाते हैं, इससे कई तरह की बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। इस मौसम में आपको विटामिन-सी का सेवन करना चाहिए। साथ ही, बैक्टीरियल और वायरस से बचने के लिए हाथों को साबुन से जरूर धोना चाहिए। इसी वजह से स्किन इंफेक्शन होने का जोखिम भी बढ़ जाता है। अगर आपको इस मौसम में त्वचा पर फोड़े-फुंसियां, लाल चकत्ते दिखते हैं, तो इन्हें नजरअंदाज बिलकुल न करें। इस स्थिति में आपको डॉक्टर की सलाह पर दवाई का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए।

बदलते मौसम में पाचन से जुड़ी समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। इस मौसम में पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। दरअसल, बदलते मौसम में अक्सर लोगों को ज्यादा मसालेदार और ऑयली खाना खाने की क्रेविंग होती है। अगर आप इस मौसम में फास्ट फूड्स और जंक फूड्स का सेवन करते हैं, तो इससे आपको पाचन से जुड़ी समस्याएं बढ सकती हैं। इसकी वजह से आपको डायरिया, पेट में जलन, अपच, गैस और एसिडिटी की समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचाव के लिए आप फलों, सब्जियों और दाल का सेवन जरूर कर सकते है। अधिक समय से रखा हुआ बासी भोजन करना भी खतरनाक हो सकता है। इसी तरह शादी ब्याह के मौसम में दावतें उड़ाना भी पेट के लिए भारी पड़ सकता है, बच्चों में उल्टी दस्त की शिकायत होती है और डायरिया व मलेरिया होने का कारण बनता है। बदलते मौसम में आपको फ्रिज का पानी पीने से भी बचना चाहिए।

मौसम तेजी से बदल रहा है, इसलिए सुबह-शाम ठंड और दोपहर में गर्मी महसूस होती है। ऐसे में जो लोग दोपहर को बाहर से आते हैं, उन्हें घर आते ही पंखा चलाने की इच्छा महसूस होती है, लेकिन ऐसी गलती भूलकर भी न करें, क्योंकि बीमारी की सबसे बड़ी वजह यही है। इससे सर्दी-गर्मी हो जाती है, जिससे कुछ देर बाद बुखार महसूस होने लगता है। इसलिए जब भी बाहर से आए, गर्मी महसूस हो तो भी पंखा न चलाएं, बल्कि कुछ देर आराम से बैठें। तापमान अपने आप सामान्य लगने लगेगा।

जिन्हें जल्दी जुकाम, बुखार जैसी बीमारियां जकड़ लेती हैं, उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। ऐसी महिलाओं और बच्चों को अपने आहार में ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाएं। आप ग्रीन टी या ब्लैक टी का सेवन कर सकते हैं, लेकिन दिन में केवल एक या दो कप ही पीएं। इसे ज्यादा पीना नुकसानदायक हो सकता है। इसके अलावा आप कच्चा लहसुन, दही, ओट्स, विटामिन डी और सी युक्त पदार्थ, जैसे कि नींबू और आंवले का सेवन कर सकते हैं।

बदलते मौसम में मूड स्विंग ज्यादा होता है, इसलिए आप आहार में कार्बोहाइड्रेट ज्यादा मात्रा में लें। ये आहार मूड स्विंग और अवसाद से दूर रखता है और दिल-दिमाग को अच्छा महसूस कराता है। चावल, गेहूं, सेब और ड्राई फ्रूट्स में कार्बोहाइड्रेट ज्यादा पाया जाता है। आप अपने आहार में विटामिन डी को भी शामिल करें। इस मौसम में फल और सब्जियों का ज्यादा सेवन करना चाहिए, खासतौर पर हरी सब्जियों का। गाजर, मूली, टमाटर जैसी सब्जियां अधिक मात्रा में लेनी चाहिए, क्योंकि इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपको बीमारियों से बचाते हैं। ठंडी आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक और बाहर के खाने से परहेज करना चाहिए, यह बीमार कर सकते हैं। इस मौसम में बच्चों का भी ध्यान रखें। उन्हें सर्दी-जुकाम हो जाता है, इसलिए उन्हें घर का ताजा भोजन ही दें। फास्ट फूड देने से बचें। आहार में मौसमी फल और सब्जियों का सेवन जरूर करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। सुबह-शाम गुनगुने पानी का सेवन भी कर सकते हैं। बच्चे या वृद्ध इस समय अपना ज्यादा ध्यान रखें। बाहर निकलने से पहले मास्क और रुमाल का इस्तेमाल करें। सांस के मरीज घर से बाहर निकलते समय सावधानियां बरतें, क्योंकि इस समय संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

परीक्षाओं की तैयारी में जुटे रहने के कारण बच्चों की दिनचर्या काफी बदल जाती है। वह ना तो समय पर खाते हैं और न हीं समय पर सोते हैं, इससे उनकी पाचन प्रणाली बिगङ जाती है। रातों में लगातार जगने के कारण उन्हें एसिडिटी की शिकायत रहती है। पेट में जलन और कब्ज उनकी स्थाई समस्या बन जाती है, जबकि वह तो बहुत ही कम खाते हैं या फास्ट फूड खाकर पेट भर लेते हैं। रात में जगने के लिए काफी या चाय की अधिकता से पेट खराब रहता है। भूख को दबाने से शरीर में ताकत नहीं रहती जो कई बीमारियों को न्यौता दे सकती है। मौसम का बदलाव और बच्चों की परीक्षाएं, दोनों एक साथ आते हैं, इसलिए माता-पिता को बच्चे की देखभाल और जीवन-शैली का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि बच्चे बीमार न पड़ें और परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बच्चों के सही आहार, नींद, व्यायाम और खेलकूद पर भी ध्यान देना चाहिए।

बच्चे खान-पान और रहन-सहन को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जिससे वे बीमारी का शिकार हो जाते हैं। छोटे बच्चे जरा-सी गर्मी महसूस होते ही टोपी और जुराब आदि पहनना बंद कर देते हैं। शाम को अचानक सर्दी शुरू होते ही वे ठंड की चपेट में आ जाते हैं। इस समय साफ-सफाई का ध्यान रखना भी जरूरी होता है, क्योंकि मौसम बदलते ही बैक्टीरिया जनित बीमारियां भी शुरू हो जाती हैं।

बच्चों को मौसमी सब्जियां और फल जरूर खिलाएं। बच्चों को जब भी दूध पिलाएं, उसमें हल्की-सी हल्दी मिलाएं। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आहार में विटामिन सी वाले फल जरूर शामिल करें। च्यवनप्राश औषधीय गुणों से भरपूर होता है, जो बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है, इसलिए बच्चे को जरूर खिलाएं। बच्चे को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने को कहें। इससे वह डिहाइड्रेशन का शिकार होने से बच जाएगा।

नन्हे बच्चों को उम्र के हिसाब से सभी वैक्सीन दिलाते रहें, ताकि मौसम बदलने के कारण उसे किसी भी तरह का फ्लू न हो। थोडे बडे बच्चों को खांसते समय अपना मुंह ढंकना और बार-बार हाथ धोना सिखाएं, खासकर खाना खाने से पहले और उसके बाद में। बच्चे अगर अपनी आंख, नाक, कान छुए तो उसे ऐसा करने से मना करें, इससे संक्रमण फैल सकता है। बच्चे के आस-पास की जगह और सामानों की सफाई जरूरी है, क्योंकि इसके जरिये भी संक्रमण फैल सकता है। उसे भरपूर नींद लेने दें, ताकि वह रिलेक्स रहे और कम बीमार पड़े। यदि आप वयस्क हैं और आपकी तबीयत खराब हो जाती है तो आप घर पर ही रहकर आराम करें या फिर वर्क फ्रॉम होम कर लें, ताकि बाकी लोग बीमार पड़ने से बच जाएं। इंफेक्शन से बचने के लिए भीड़-भाड़ वाले इलाके में न जाएं। अगर कोई व्यक्ति पहले से ही जुकाम या बुखार से पीड़ित है तो उससे हाथ मिलाने या गले लगने से बचें और दूरी बनाकर रखें।

डॉ. मनीष दवे
महालक्ष्मी नगर, इंदौर

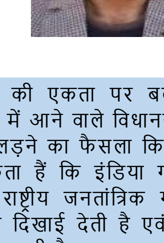

मिलकर चुनाव लड़ने के मामले में राजग का काफी होशियार है

कोलफील्ड मिरर 02 मार्च 2025: विपक्षी दलों का इडिया गठबंधन आज राज्यों के विधानसभा चुनावों के चलतें देखते हि देखते अब लगातार धराशाई हो रहा है। लोकसभा चुनाव तक ही सीमित एवं सफल रहा इंडिया गठबंधन अब लगातार ही क्षरण की ओर जा रहा है कारण हर विधानसभा चुनाव में यह सारे विपक्षी एकजुट नहीं हो पा रहे हैं एवं अक्सर टिकट बंटवारे में एक दूसरे से लड़कर आपस में गठबंधन बरकरार नहीं रख पा रहे हैं। कारण लोकसभा चुनाव के बाद अब तक कई विधानसभा चुनाव हुए हैं एवं हर जगह पर राज्य की क्षेत्रीय पार्टीयों ने देश की राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस को अपने यहां कतई भाव नहीं दिया है अतः इसी कारण लगातार इंडिया गठबंधन में हर तरह से क्षरण जारी है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन भाजपा नीत हर बार अपने साथ के विपक्षियों को कुछ ना कुछ सीट देकर उनका सम्मान रखते हुए चुनाव लड़ रहा है अतः इसी कारण वह कामयाब भी है। अब एक बार फिर बिहार, पश्चिमी बंगाल के विधानसभा चुनाव नजदीक ही है। अतः राजग ने अभी से अपने सहयोगियों से बात करना प्रारंभ कर दिया है एवं गठबंधन की एकता पर बल देते हुए अगले 2 साल में आने वाले विधानसभा चुनावों को मिलकर लड़ने का फैसला किया है, अतः कहा जा सकता हैं कि इंडिया गठबंधन के बजाय आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में एकता अधिक दिखाई देती है एवं वही आज अधिक कामयाब भी है।

एमएम राजावत "राज"
न्यू रोड, शाजापुर